राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार,12फरवरी–2023 वर्ष–6,अंक–20 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्वतीय राज्यों में गिरी बर्फ, बदरानीथ-केदारनाथ में बिछ गई सफेद चादर

नई दिल्ली । पिछले चौबीस घंटों के दौरान जम्मू- कश्मीर, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम में बर्फबारी के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई है। उत्तराखंड के बदरीनाथ और केदारनाथ में चारों ओर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। यह जानकारी भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक विज्ञानी ने दी। इस मौसम विज्ञानी के मुताबिक हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति जिले के राशेल गांव के अलावा अन्य चोटियों पर शुक्रवार को बर्फबारी हुई है। आज (शनिवार) भी पर्वतीय क्षेत्र की चोटियों पर बर्फबारी और आसपास वर्षा के आसार हैं। देहरादून-मसूरी समेत आसपास हल्की वर्षा हो सकती है। इस विज्ञानी का कहना है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाके में धीरे-धीरे तापमान में वृद्धि हो रही है। दिल्ली-एनसीआर में आज 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का पीएम करेंगे उद्घाटन

गुरुग्राम से दौसा के बीच 220 किलोमीटर का हाईवे तैयार; आज से फर्राटा भरेंगे वाहन

नई दिल्ली/रेवाड़ी। दिल्ली-वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 12 फरवरी से वाहन फर्राटा भर सकेंगे। गुरुग्राम के अलीपुर गांव से राजस्थान के दौसा के बीच 220 किलोमीटर का हाईवे बनकर तैयार हो गया है। 12 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। मुख्य कार्यक्रम दौसा में होगा, लेकिन इससे पहले केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल की मौजूदगी में गुरुग्राम में भी कार्यक्रम होगा।

12 घंटे में मुंबई का सफर

दरअसल, दिल्ली-वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस-वे पूरी तरह बनने के बाद दिल्ली से मुंबई का सफर कार से महज 12 घंटे के अंदर पूरा होगा। जबकि अभी मुंबई कर पहुंचने में 24 घंटे का समय लगता है। 12 फरवरी को सुबह 10 बजे DVM एक्सप्रेस-वे के शुभारंभ के मौके पर गुरुग्राम के कस्बा सोहना में पड़ने वाले गांव अलीपुर में इस एक्सप्रेस-वे की शुरुआत होती। जहां सुबह 10 बजे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल पहुंचेंगे। यहां से कार्यक्रम में शामिल होने के बाद नूंह जिले के गांव हिलालपुर में बनाए गए टोल प्लाजा पर पहुंचेंगे।

2024 में पूरा होगा प्रोजेक्ट

पहले चरण में अलीपुर से दौसा तक 220 किलोमीटर की सड़क बनकर तैयार हो गई है। अभी दिल्ली से दौसा तक पहुंचने में 6 घंटे तक का समय लगता है, लेकिन 12 फरवरी के बाद महज ढाई घंटे के अंदर दौसा और 2 घंटे के अंदर दिल्ली से जयपुर पहुंचा जा सकेगा। अगले साल 2024 तक इस प्रोजेक्ट के पूरा होने की उम्मीद है। उसके बाद दिल्ली से मुंबई 1380 किलोमीटर का सफर भी कार से महज 12 घंटे के अंदर पूरा किया जा सकेगा।

8 लेन का होगा एक्सप्रेस-वे

बता दें कि दिल्ली-मुंबई ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे देश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे होने वाला है। इस एक्सप्रेस-वे पर 120 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से वाहन चलेंगे। साथ ही ये 8 लेन का होगा। जिसको समयानुसार 12 लेन का भी किया जा सकता है। इस एक्सप्रेस-वे को बनाने में करीब 1 लाख करोड़ रुपए खर्च होंगे।

लग्जरी सुविधाएं होंगी

इस एक्सप्रेस-वे पर रेस्टोरेंट, रेस्टरुम, शॉपिंग मॉल, होटल के अलावा अन्य सुविधाएं होंगी। हरियाणा की सीमा में पड़ने वाले इस एक्सप्रेस-वे का अधिकांश काम पूरा हो चुका है, जिस पर लगभग 11 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। एक्सप्रेस-वे के शुरू होने से दिल्ली-जयपुर हाईवे पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। चूंकि अभी दिल्ली से जयपुर या फिर मुंबई तक जाने के लिए इसी हाईवे का प्रयोग किया जाता है। एक्सप्रेस-वे के बनने के बाद दिल्ली-जयपुर हाईवे पर लगने वाले जाम से भी निजात मिल जाएगी।

सिर्फ 2 टोल प्लाजा होंगे

अलीपुर से मुंबई तक बनने वाले एक्सप्रेस-वे पर सिर्फ दो ही टोल प्लाजा होंगे। पहला टोल प्लाजा हरियाणा के नूंह जिले में पड़ने वाले गांव हिलालपुर में और दूसरा टोल प्लाजा मुंबई में होगा। पूरा एक्सप्रेस-वे तैयार होने के बाद दिल्ली-एनसीआर जिलों की महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान के कई बड़े शहरों से सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी। जैसे अलवर, दौसा, अजमेर, किशनगढ़, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, भोपाल, उज्जैन, इंदौर, अहमदाबाद, वडोदरा और सूरत जैसे शहर तक पहुंचने में काफी असानी होगी।

कांग्रेस सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी के बेटे राघव गिरफ्तार, ED ने कसा शिकंजा

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में ईडी और सीबीआई लगातार अपना शिकंजा कसते नजर आ रहे हैं। आज प्रवर्तन निदेशालय ने वाईएसआरसीपी के सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी के बेटे राघव मगुन्टा को इस मामले में गिरफ्तार किया है। मगुंटा के तार इस कथित घोटाले से जुड़े होने का शक है।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में कथित अनियमितताओं की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में ओंगोले मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी से वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद के बेटे राघव मगुंटा को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार राघव मगुंटा को शुक्रवार शाम को धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया।

गाय से गले लगने का दिवस मनाने का प्रस्ताव वापस

भारतीय पशु कल्याण बोर्ड का फैसला

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर व्यापक आलोचना और सरकार के निर्देशों के बाद भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) ने शुक्रवार को 14 फरवरी को गाय से गले लगने का दिवस के रूप में मनाने की अपील वापस ले ली। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरषोत्तम रुपाला की टिप्पणी के एक दिन बाद बोर्ड के सचिव एसके दत्ता ने अपनी वेबसाइट पर पोस्ट किए एक नोटिस के माध्यम से यह अपील वापस ले ली। रुपाला ने कहा था कि अच्छा होता कि अगर लोग बोर्ड की ओर से 14 फरवरी को

'काउ हग डे' के रूप में मनाने की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते। 14 फरवरी को दुनिया भर में वैलेंटाइन डे के रूप में मनाया जाता है। यह पहली बार था जब एडब्ल्यूबीआई ने देश में गाय प्रेमियों से 'काउ हग डे' मनाने की अपील की थी। इससे पहले, बोर्ड ने कहा था कि पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव के चलते भारत की वैदिक परंपराएं विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुकी हैं।

IPS प्रोबेशनर्स से बोले अमित शाह, NIA और NCB से मिली अपराध नियंत्रित करने में मदद

गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को हैदराबाद में आईपीएस प्रोबेशनर्स के 74 आरआर बैच की पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। शाह ने कहा कि एनआईए और एनसीबी के विस्तार ने नारकोटिक्स और आतंकवाद में शामिल अपराधियों को नियंत्रित करने में मदद की है।

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैदराबाद में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) प्रोबेशनर्स के 74 आरआर बैच की पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। इस दौरान शाह ने अधिकारियों को संबोधित भी किया। शाह ने कहा कि हमने सात दशकों में आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना किया है और इन परिस्थितियों में लगभग 36 हजार पुलिसकर्मी शहीद हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, आजादी के बाद अखिल भारतीय सेवाओं की लॉन्चिंग के समय देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार पटेल ने कहा था कि देश को एक संघीय संविधान

के तहत अक्षुण्य बनाए रखने की जिम्मेदारी अखिल भारतीय सेवाओं की है। ये वाक्य आपके जीवन का गुरु वाक्य बनना चाहिए।

देश में हो रहा NIA का विस्तार-गृह मंत्री ने कहा कि देशभर में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का विस्तार हो रहा है। एनआईए और एनसीबी के विस्तार ने नारकोटिक्स और आतंकवाद में शामिल अपराधियों को नियंत्रित करने में मदद की है। राष्ट्रीय डेटाबेस पर आतंकवाद, नशीले पदार्थों और आर्थिक अपराधों से संबंधित अपराधों की निगरानी की जा रही है।

'अंबेडकर अगर जिंदा होते तो उन्हें मैं मार देता', दलित नेता के बयान पर विवाद, हुई गिरफ्तारी

नई दिल्ली। तेलंगाना में एक दलित नेता ने संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दलित नेता को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह बोल रहा है कि अगर अंबेडकर आज जिंदा होते तो मैं उन्हें मार देता। आइए जानते हैं पूरा मामला...

दलित नेता ने क्या बयान दिया?

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर पर राष्ट्रीय दलित सेना के संस्थापक और दलित नेता हमारा प्रसाद ने कुछ दिनों पहले एक वीडियो बनाया था। इसमें हमारा प्रसाद ने डॉ. अंबेडकर की 'रीड्ल्स इन हिंदूज्म' की किताब को दिखाया। वीडियो में वह डॉ. अंबेडकर के खिलाफ कई आपत्तिजनक बातें कहते हुए दिख रहा है। उसने कहा कि अगर आज अंबेडकर जिंदा होते तो मैं उन्हें उसी तरह मार देता, जिस तरह गोडसे ने गांधी को मारा था। इसी वीडियो में हमारा प्रसाद ने डॉ. अंबेडकर पर हिंदुओं की

भावना आहत करने का भी आरोप लगाया है।

शिकायत दर्ज हुई, आरोपी गिरफ्तार

डॉ. अंबेडकर पर विवादित बयान देने वाले दलित नेता के खिलाफ बहुजन समाज पार्टी के प्रमुख आरएस प्रवीण कुमार ने शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ 153ए और 505(2) के तहत एफआईआर दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली शराब घोटाले में ईडी का एक्शन, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वाईएसआर कांग्रेस सांसद का बेटा गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के लोकसभा सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी के बेटे राघव मगुंटा को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राघव मगुंटा को शुक्रवार शाम को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया। उन्हें एक स्थानीय अदालत में पेश किए जाने की उम्मीद है, जहां ईडी उनकी हिरासत की मांग करेगी। ईडी द्वारा इस मामले में यह नौवीं और इस सप्ताह तीसरी गिरफ्तारी है।

ईडी ने पंजाब के पूर्व एसएडी

विधायक दीप मल्होत्रा के बेटे गौतम मल्होत्रा और रथ प्रोडक्शंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक एक विज्ञापन कंपनी के निदेशक राजेश जोशी को सप्ताह के शुरू में गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया था कि शराब खुदरा विक्रेताओं, थोक विक्रेताओं और निर्माताओं का 'साउथ ग्रुप' नामक एक कार्टेल अब रद्द की जा चुकी दिल्ली की आबकारी नीति के हिस्से के रूप में बनाया गया था और पिता और पुत्र की जोड़ी इसका हिस्सा थी।

ईडी ने पिछले साल सांसद से जुड़े परिसरों की तलाशी ली थी। ईडी ने अब तक इस मामले में दो चार्जशीट या अभियोजन पक्ष की शिकायतें दायर की हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सीबीआई की एफआईआर से उपजा है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सरकार के अन्य आबकारी अधिकारियों को सीबीआई और ईडी की शिकायतों में आरोपी बनाया गया था।

फाइलेरिया से निपटने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुरू किया राष्ट्रव्यापी अभियान, 2027 तक करेंगे बीमारी को खत्म

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने लसिका फाइलेरिया को खत्म करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन अभियान शुरू किया है। मंत्रालय ने विशेष रूप से 10 प्रभावित राज्यों में फाइलेरिया रोधी दवाओं को प्रशासन के माध्यम से घर-घर पहुंचा कर फाइलेरिया रोग के संचरण को समाप्त करने के उद्देश्य से एक राष्ट्रव्यापी जन औषधि प्रशासन (एमडीए) अभियान शुरू किया है। मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान के अनुसार, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, ओडिशा, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश ने संयुक्त रूप से अभियान शुरू किया? है।

देश में 2027 तक फाइलेरिया को खत्म करने का रखा लक्ष्य

स्वास्थ्य मंत्रालय का यह लांच वैश्विक लक्ष्य से 3 साल पहले 2027 तक फाइलेरिया को खत्म करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से शानदार समर्थन प्राप्त करने के 1 महीने बाद आया है। भारत ने लसीका फाइलेरिया (एलएफ) को खत्म करने

के प्रयासों को तेज कर दिया है। यह क्यूलेक्स मच्छरों के कारण होने वाली एक वेक्टर-जनित बीमारी है जो लोगों को विकलांगता की ओर ले जाती है। समुदायों को विकलांगों के साथ-साथ सामाजिक और आर्थिक असुरक्षा से बचाने के लिए यह अभियान शुरू किया गया है।

सभी राज्यों को फाइलेरिया को खत्म करने की ओर ध्यान देना चाहिए

मंत्रालय के द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि भारत सरकार ने एलएफ के उन्मूलन के लिए पहले से ही एक नई पांच-स्तरीय रणनीति का अनावरण किया है। अभियान की शुरुआत करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि एलएफ से निपटने के लिए सामूहिक कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने सभी राज्यों से आग्रह किया कि वे दवाओं के वितरण के बजाय सीधे तौर पर देखी जाने वाली चिकित्सा पर ध्यान दें। साथ ही में उन्होंने ब्लॉक स्तर पर सघन मॉनिटरिंग पर ध्यान देने पर जोर दिया।

फाइलेरिया को खत्म करने के लिए कुछ राज्यों की अच्छी प्रैक्टिसों को अपनाएं

स्वास्थ्य सचिव ने गुणवत्ता डेटा सुनिश्चित करने के लिए मॉनिटर की निगरानी के अलावा सभी स्तरों पर कवरेज और निगरानी रिपोर्ट के दैनिक विश्लेषण की आवश्यकता बताई। बयान में कहा गया है कि स्वास्थ्य सचिव ने सुझाव दिया कि राज्यों की अच्छी प्रैक्टिसों को अन्य राज्यों द्वारा भी अपनाया जा सकता है। भारत 2027 तक फाइलेरिया को खत्म करने के लिए तैयार है। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि इस लक्ष्य को सतत विकास लक्ष्यों के साथ समाप्त करने के लिए सही समय है, जिसका उद्देश्य सभी प्रकार की भूख और विकलांगता या बीमारी को समाप्त करना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

हिंसा अस्वीकार्य

बुधवार को चंडीगढ़ की सीमा पर हिंसक भीड़ द्वारा पुलिसकर्मियों पर जो घातक हमला किया गया, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही है। कुछ बंदियों की रिहाई के लिये मुख्यमंत्री आवास घेरने जा रहे लोगों को रोकने के बाद जो अराजक दृश्य देखे गये, वे कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिये बड़ी चुनौती पैदा करते हैं। पुलिसकर्मियों पर तलवारों से हमला, कर्मियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटना और गाड़ियों को तोड़ना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। दुखद यह है कि महिला पुलिसकर्मियों को भी नहीं बख्शा गया। नौकरशाहों व शांत तथा प्रबुद्ध लोगों के शहर में इस तरह की घटना विचलित करने वाली है। अपनी समृद्ध विरासत और प्रगतिशील परंपरा के लिये पहचाने जाने वाले सिटी ब्यूटीफुल की पुलिस को कमोबेश सभ्य-सहज व्यवहार करने के लिये जाना जाता है। विडंबना यह है कि यहां की पुलिस व प्रशासन को दो प्रदेशों की राजधानी होने की कीमत चुकानी होती है। इसे उन विवादों की आंच में झुलसना पड़ता है, जो मूल रूप से पंजाब व हरियाणा से जुड़े होते हैं। निस्संदेह, हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति की आजादी है। उसे हक है कि वह अपनी बात को रखे, लेकिन उसका आंदोलन मर्यादित होना भी जरूरी है ताकि अन्य लोगों की अभिव्यक्ति व जीने के अधिकार का अतिक्रमण न हो। उल्लेखनीय है कि चंडीगढ़ के पुलिस-प्रशासन ने शहर के नागरिकों को आये दिन होने वाले आंदोलन से अप्रभावित रखने तथा नियमों के सांचे में ढली यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिये सेक्टर 25 में अलग आंदोलन स्थल की व्यवस्था की है, लेकिन कतिपय उग्र सोच के लोग सड़कों पर आंदोलन करने लग जाते हैं ताकि लोगों का ध्यान खींच कर सुर्खियों में बना रहा जाये। कुछ ऐसा ही घटनाक्रम किसान आंदोलन के दौरान देखा गया था, जिसकी तपिश दिल्ली व लाल किले तक महसूस हुई थी। चंडीगढ़ में पुलिसकर्मियों के साथ जो दुर्व्यवहार व हिंसा हुई वह बताता है कि देश के अन्य भागों में पुलिस क्यों ऐसे मामलों में आक्रामक और प्रतिकारी बन जाती है।दरअसल, पंजाब में राजनीतिक हिंसा व धर्म विशेष को लेकर होने वाले आंदोलनों के बारे में आम धारणा रही है कि पंजाब में जब भी धार्मिक संगठनों में पैठ रखने वाला एक राजनीतिक दल सत्ता से बाहर होता है, तब-तब ऐसे उग्र सोच के लोग पुलिस व प्रशासन को चुनौती देते नजर आते हैं। ऐसा विगत में भी खूब होता है। विडंबना यह है कि समाज में बेरोजगार युवा इस अभियान के साथ जुड़ जाते हैं, जिनका इस्तेमाल आतिवादी घटनाओं को अंजाम देने में किया जाता है। इस तरह के घटनाक्रमों से चंडीगढ़ व पंजाब की शांति भंग होती है और कानून व्यवस्था का संकट पैदा होता है। कहीं न कहीं ये घटनाक्रम राजनीति व धर्म के घालमेल के खतरों की ओर भी इशारा करता है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1985 में चंडीगढ़ में ऐसे ही घटनाक्रम के दौरान विरोध करने वाले लोग हिंसक हो गये थे और पुलिस को मजबूरन गोली चलानी पड़ी थी। पंजाब विधानसभा का घेराव करने जा रहे आंदोलनकारियों व पुलिस के बीच एमएलए होस्टल के निकट हिंसक संघर्ष हुआ था, जिसमें तीन लोगों की मृत्यु हो गई थी। बुधवार के घटनाक्रम में भी यही स्थितियां पैदा हो सकती थीं, यदि पुलिस संयम का परिचय नहीं देती।

तुर्किये-सीरिया के भूकम्प से सबक सीखने की जरूरत

24 जनवरी की दोपहर को तो दिल्ली-एनसीआर सहित कुछ राज्यों में रिक्टर स्केल पर 5.8 तीव्रता के भूकम्प के तेज झटके लगे थे। 5 जनवरी की रात दिल्ली-एनसीआर से लेकर जम्मू-कश्मीर तक में 5.9 तीव्रता के भूकम्प के झटके महसूस किए गए थे। उससे पहले दिल्ली एनसीआर में नए साल की शुरूआत भी 3.8 तीव्रता के भूकम्प के झटकों के साथ ही हुई थी। नवम्बर माह में तो दिल्ली-एनसीआर में दो बार ऐसे बड़े भूकम्प भी आए, जिनमें से एक अति गंभीर श्रेणी का रिक्टर स्केल पर 6.3 तीव्रता का था, जिसका असर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित सात राज्यों के अलावा चीन और नेपाल तक महसूस किया गया था।

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

6 फरवरी को 7.8 की तीव्रता के शक्तिशाली भूकम्प से तुर्किये और सीरिया में हुए महाविनाश में 20 हजार से भी ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। तुर्किये की भौगोलिक स्थिति के चलते यहां अक्सर भूकम्प आते रहते हैं। 1999 में तो यहां भूकम्प से 18 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। तुर्किये और सीरिया में भूकम्प से हुई भयानक तबाही को देखने के बाद कुछ समय से भारत के विभिन्न हिस्सों में लगातार लग रहे भूकम्प के झटकों को लेकर भी चिंता गहराने लगी है। आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक भारत में भी तुर्किये तैसे ही तेज भूकम्प की आशंका जता रहे हैं। उनके मुताबिक आगामी एक-दो वर्षों में या एक-दो दशक में कभी भी भारत के कुछ हिस्सों में 7.5 से भी ज्यादा तीव्रता के भूकम्प आ सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक देश का करीब 59 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न तीव्रताओं वाले भूकम्प के जोखिम पर है। खासकर दिल्ली-एनसीआर तथा निकटवर्ती राज्यों में तो बार-बार भूकम्प के झटके लग रहे हैं। दिल्ली-एनसीआर में 3 फरवरी की रात 3.2 तीव्रता के भूकम्प के झटके महसूस किए गए थे। 24 जनवरी की दोपहर को तो दिल्ली-एनसीआर सहित कुछ राज्यों में रिक्टर स्केल पर 5.8 तीव्रता के भूकम्प के तेज झटके लगे थे। 5 जनवरी की रात दिल्ली-एनसीआर से लेकर जम्मू-कश्मीर तक में 5.9 तीव्रता के भूकम्प के झटके महसूस किए गए थे। उससे पहले दिल्ली एनसीआर में नए साल की शुरूआत भी 3.8 तीव्रता के भूकम्प के झटकों के साथ ही हुई थी। नवम्बर माह में तो दिल्ली-एनसीआर में दो बार ऐसे बड़े भूकम्प भी आए, जिनमें से एक अति गंभीर श्रेणी का रिक्टर स्केल पर 6.3 तीव्रता का था, जिसका असर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित सात राज्यों के अलावा चीन और नेपाल तक महसूस किया गया था। 2020 के बाद से भी दिल्ली-एनसीआर इलाका लगातार भूकम्प से झटकों से थर्रा रहा है। हालांकि राहत की बात यही है कि बार-बार लग रहे भूकम्प के झटकों से अब तक जान-माल का कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है लेकिन दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत में कई हल्के और मध्यम भूकम्प के झटके हिमालय क्षेत्र में किसी बड़े भूकम्प की आशंका को बढ़ा रहे हैं। ऐसे में यदि जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो वह दिन दूर नहीं, जब दिल्ली-एनसीआर का हाल भी तुर्किये और सीरिया जैसा ही होगा। भूगर्भ वैज्ञानिकों का मानना है कि कई छोटे भूकम्प बड़ी तबाही का संकेत होते हैं और बार-बार लग रहे भूकम्प के झटकों के मद्देनजर दिल्ली-एनसीआर इलाके में आने वाले दिनों में किसी बड़े भूकम्प का अनुमान लगाया जा रहा है। पिछले कुछ दशकों में दिल्ली-एनसीआर की आबादी काफी बढ़ी है और ऐसे में 6 से अधिक तीव्रता का भूकम्प यहां तबाही मचा सकता है। भूकम्प आने के खतरे को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों को कुल पांच जोन में बांटा गया है, जिनमें सर्वाधिक खतरनाक सिस्मिक जोन 5 है और उसके बाद सिस्मिक जोन 4 है। दिल्ली सिस्मिक जोन 4 में आती है और दिल्ली में कुछ क्षेत्र सिस्मिक जोन 4 से भी ज्यादा खतरे वाली स्थिति में हैं। ऐसे में दिल्ली में भूकम्प का खतरा हमेशा बना रहता है। एनसीएस के वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली को हिमालयी बेल्ट से काफी खतरा है, जहां 8 की तीव्रता वाले भूकम्प आने की भी क्षमता है। दिल्ली से करीब दो सौ किलोमीटर दूर हिमालय क्षेत्र में अगर 7 या इससे अधिक तीव्रता का भूकम्प आता है तो दिल्ली के लिए बड़ा खतरा है। हालांकि ऐसा भीषण भूकम्प कब आएगा, इस बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कोई सटीक अनुमान लगाना संभव नहीं है। दरअसल भूकम्प के पूर्वानुमान का न तो कोई उपकरण है और न ही कोई मैकेनिज्म। विशेषज्ञों के अनुसार दिल्ली में बार-बार आ रहे भूकम्प के झटकों से पता चलता है कि दिल्ली-एनसीआर के फॉल्ट इस समय सक्रिय हैं और इन फॉल्ट में बड़े भूकम्प की तीव्रता 6.5 तक रह सकती है। इसीलिए विशेषज्ञ कह रहे हैं कि बार-बार लग रहे भूकम्प के इन झटकों को बड़े खतरे की आहट मानते हुए दिल्ली को नुकसान से बचने की तैयारियां कर लेनी चाहिएं। दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में निरन्तर लग रहे झटकों को देखते हुए दिल्ली हाईकोर्ट भी कई बार कड़ा रूख अपना चुका है। हाईकोर्ट ने कुछ समय पहले भी दिल्ली सरकार, डीडीए, एमसीडी, दिल्ली छावनी परिषद, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को नोटिस जारी करते हुए पूछा था कि तेज भूकम्प आने पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं? अदालत द्वारा चिंता जताते हुए कहा गया था कि सरकार और अन्य निकाय हमेशा की भांति भूकम्प के झटकों को हल्के में ले रहे हैं जबकि उन्हें इस दिशा में गंभीरता दिखाने की जरूरत है। अदालत का कहना था कि भूकम्प जैसी विपदा से निपटने के लिए ठोस योजना बनाने की जरूरत है क्योंकि भूकम्प से लाखों लोगों की जान जा सकती है। दिल्ली सरकार तथा एमसीडी द्वारा दाखिल किए गए जवाब पर सख्त टिप्पणी करते हुए अदालत यहां तक कह चुकी है कि भूकम्प से शहर को सुरक्षित रखने को लेकर उठाए गए कदम या प्रस्ताव केवल कागजी शेर हैं और ऐसा नहीं दिख रहा कि एजेंसियों ने भूकम्प के संबंध में अदालत द्वारा पूर्व में दिए गए आदेश का अनुपालन किया हो। दिल्ली-एनसीआर भूकम्प के लिहाज से काफी संवेदनशील है, जो दूसरे नंबर के सबसे खतरनाक सिस्मिक जोन-4 में आता है। पिछले कुछ महीनों में दिल्ली-एनसीआर में आए भूकम्प के ज्यादातर झटके भले ही रिक्टर पैमाने पर कम तीव्रता वाले रहे हों किन्तु भूकम्प पर शोध करने वाले इन झटकों को बड़े खतरे की आहट मान रहे हैं। इसीलिए अधिकांश भूकम्प विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली एनसीआर की इमारतों को भूकम्प के लिए तैयार करना शुरू कर देना चाहिए ताकि बड़े भूकम्प के नुकसान को न्यूनतम किया जा सके। एक अध्ययन के मुताबिक दिल्ली में करीब 90 फीसदी मकान ऋंकीट और सरिये से बने हैं, जिनमें से 90 फीसदी इमारतें रिक्टर स्केल पर छह तीव्रता से तेज भूकम्प को झेलने में समर्थ नहीं हैं। एनसीएस के अध्ययन के अनुसार दिल्ली का करीब 30 फीसदी हिस्सा जोन-5 में आता है, जो भूकम्प की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट में भी कहा गया है कि दिल्ली में बनी नई इमारतें 6 से 6.6 तीव्रता के भूकम्प को झेल सकती हैं जबकि पुरानी इमारतें 5 से 5.5 तीव्रता का भूकम्प ही सह सकती हैं। विशेषज्ञ बड़ा भूकम्प आने पर दिल्ली में जान-माल का ज्यादा नुकसान होने का अनुमान इसलिए भी लगा रहे हैं क्योंकि करीब 2.25 करोड़ आबादी वाली दिल्ली में प्रतिवर्ग किलोमीटर दस हजार लोग रहते हैं और कोई बड़ा भूकम्प 300-400 किलोमीटर की रेंज तक असर दिखाता है। बहरहाल, यहां सवाल यह है कि निरन्तर आ रहे भूकम्पों के मद्देनजर ऐसे क्या कदम उठाए जाएं, जिससे विकास की गति भी प्रभावित न हो और प्रकृति को भी नुकसान न हो ताकि आने वाले समय में दिल्ली जैसे शहर तुर्किये और सीरिया जैसी भयावह त्रासदी झेलने को विवश न हों।

(लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

विश्व विवाह दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन/12 फरवरी)

विश्व विवाह दिवस प्रत्येक वर्ष फ़रवरी माह के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। यह दिवस विवाह संस्कार के संक्षिप्त संस्करण के रूप में मनाया जाता है। विवाह दो महिला-पुरुष के कानूनी, सामाजिक और धार्मिक रूप से एक साथ रहने को मान्यता प्रदान करता है। विवाह मानव-समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रथा एवं समाजशास्त्रीय संस्था है। यह समाज का निर्माण करने वाली सबसे छोटी इकाई, परिवार का मूल है। देश और दुनिया में विवाह का प्रचलन सर्वत्र विभिन्न शक्लों में देखने को मिलता है, इसकी परम्परा अति प्राचीन है, हमारी जीवन शैली का अभिन्न अंग है। यही कारण है कि सम्पूर्ण विश्व में फ़रवरी के दूसरे रविवार को 'विश्व विवाह दिवस' के रूप में मनाया जाता है और पति-पत्नी के आपसी संबंधों को नयी ताजगी एवं सुदृढ़ता देने का प्रयास किया जाता है।

विवाह शब्द का अर्थ

पहला अर्थ वह क्रिया, संस्कार, विधि या पद्धति है, जिससे पति-पत्नी के स्थायी-संबंध का निर्माण होता है उस विधि को विवाह कहते हैं, जिससे कोई स्त्री किसी की पत्नी बनती है। वैस्टरमार्क ने इसे एक या अधिक पुरुषों का एक या अधिक स्त्रियों के साथ ऐसा संबंध बताया है, जो इस संबंध को करने वाले दोनों पक्षों को तथा उनकी संतान को कुछ अधिकार एवं कर्तव्य प्रदान करता है। मनुस्मृति के अनुसार विवाह एक निश्चित पद्धति से किया जाने वाला, अनेक विधियों से संपन्न होने वाला तथा कन्या को पत्नी बनाने वाला संस्कार है। विवाह का दूसरा अर्थ समाज में प्रचलित एवं स्वीकृत विधियों द्वारा स्थापित किया जाने वाला दांपत्य संबंध और पारिवारिक जीवन भी होता है। इस संबंध से पति-पत्नी को अनेक प्रकार के अधिकार और कर्तव्य प्राप्त होते हैं। इससे जहाँ एक ओर समाज पति-पत्नी को कामसुख के उपभोग का अधिकार देता है, वहाँ दूसरी ओर पति को पत्नी तथा संतान के पालन एवं भरण-पोषण के लिए बाध्य करता है। भारत की संस्कृति में विवाह को 'पाणिग्रहण' की संज्ञा दी गई है

संस्कार और संस्कृति का संवाहक

पति-पत्नी के रिश्तों में रस भरा रहे, इसके लिये फ़रवरी माह के दूसरे रविवार को विश्व विवाह दिवस मनाया जाता है और उसमें प्यार, प्रणय एवं सौहार्द भरने का प्राणवान संकल्प लिया जाता है। पति-पत्नी की जिन्दगी जब सारी खुशियां स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है, तब विवाह दिवस जैसा अवसर उपस्थित होता है। यह दिवस संस्कार और संस्कृति का संवाहक है। वैवाहिक रिश्तों का संबोध पर्व है। मानवीय मन का व्याख्या-सूत्र है।

बाहरी और भीतरी चेतना का संवाद है। यह दिवस दिशा और दर्शन लेने का अवसर है। संकल्प से भाग्य और पुरुषार्थ का रचने का अवसर है। विवाह परिवाररूपी संस्था का आधार है। प्राचीन एवं मध्य काल के धर्मशास्त्री तथा वर्तमान युग के समाजशास्त्री, समाज द्वारा अनुमोदित, परिवार की स्थापना करने वाली किसी भी पद्धति को विवाह मानते हैं। शादी परिवार की स्थापना की पहली सीढ़ी है। इसकी मजबूती को बनाए रखने और इसका सम्मान करने के लिए इस रिश्ते को सामाजिक मान्यता भी दी गई है। समाज की सबसे प्रगाढ़ इस रिश्ते की डोर मजबूत बनाए रखने के लिए हर साल फरवरी महीने के दूसरे रविवार को विश्व शादी दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत सबसे पहले अमेरिका में हुई थी। 2012 से विश्व स्तर पर इस दिन को मनाया जाता है। इस दिन शादी शुदा लोग अपने रिश्तों को और मजबूत करने के लिए आयोजन करते हैं।

एक दूसरे के साथ एक ही मकसद है कि समाज में अपना मुकाम हो, कोई कभी अंगुली न उठाए। शादी की सबसे मजबूत डोर आपसी विश्वास होता है। इसी विश्वास के बल पर हम अपने शादी के रिश्ते को आगे बढ़ा रहे हैं। भारतीय सांस्कृतिक परंपरा का सबसे अहम पहलू विवाह है। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ अग्नि के सात फेरे लेकर जीवन जीने के सात वचन को निभाने की कसम खाई जाती है। इसे निभाने की उत्सुकता और समन्वय वैवाहिक जीवन को खुशहाल बना देता है। प्रजा, यज्ञ और काम तीनों का समन्वय शादी की डोर को मजबूत करता है। एक दूसरे के समझने के चक्कर में नामसमझी वर्तमान समय में इस रिश्ते को कमजोर कर रहा है। सामाजिक मान्यता के इस रिश्ते को सामाजिक मर्यादा के साथ ही आगे बढ़ाया जाय तो इस विवाह जैसे पवित्र बंधन को निभाने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

प्रतीज्ञा धारण करना

जिस प्रकार जन्मदिन के अवसर पर कोई बुराई छोड़ने और अच्छाई अपनाने के सम्बन्ध में प्रतिज्ञाएँ की जाती हैं, उसी तरह विवाह दिवस के उपलक्ष में पतिव्रत और पत्नीव्रत को परिपुष्ट करने वाले छोटे-छोटे नियमों को पालन करने की कम से कम एक-एक प्रतिज्ञा इस अवसर पर लेनी चाहिए। परस्पर 'आप या तुम' शब्द का उपयोग करना 'तू' का अशिष्ट एवं लघुता प्रकट करने वाला सम्बोधन न करना जैसी प्रतिज्ञा तो आसानी से ली जा सकती है। पति द्वारा इस प्रकार की प्रतिज्ञाएँ ली जा सकती हैं, जैसे

- कटुवचन या गाली आदि का प्रयोग न करना।
- कोई दोष या भूल हो, तो उसे एकान्त में ही बताना-समझाना, बाहर के लोगों के सामने उसकी तनिक भी चर्चा न करना।
- युवक -स्त्रियों के साथ अकेले में बात न करना।
- पत्नी पर सन्तानोत्पादन का कम से कम भार लादना।
- उसे पढ़ाने के लिए कुछ नियमित व्यवस्था बनाना।
- खर्च का बजट पत्नी की सलाह से बनाना और पैसे पर उसका प्रभुत्व रखना।
- गृह व्यवस्था में पत्नी का हाथ बँटाना।
- उसके सद्गुणों की समय समय पर प्रशंसा करना।
- बच्चों की देखभाल, साज-सँभाल, शिक्षा-दीक्षा पर समुचित ध्यान देकर पत्नी का काम सरल करना।
- पर्दा का प्रतिबन्ध न लगाकर उसे अनुभवी-स्वावलम्बी होने की दिशा में बढ़ने देना।
- पत्नी की आवश्यकताओं, सुविधाओं पर समुचित ध्यान देना आदि।
- वह व्यक्ति सुखी है जिसे उसका सच्चा मित्र मिल जाता है और सुखी वह है जो अपने सच्चे मित्र से विवाह करता है।
- सभी वर्षों के लिए आपने एक विवाहित जोड़े के रूप में बिताया है, आपको विवाह दिवस की शुभकामनाएं।
- आपको शादी का दिन मुबारक हो और आशा है कि आप आने वाले साल एक खुशहाल जोड़े के रूप में बिताएंगे।
- इस विश्व विवाह दिवस पर आप दोनों को वैवाहिक जीवन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।
- यह हमेशा गाँठ बाँधने के बारे में नहीं है बल्कि शादी के कई सालों तक इसे सुरक्षित रखने के बारे में भी है।
- साल बीत जाते हैं, समय बदल जाता है लेकिन इस विश्व विवाह दिवस पर मैं आशा करता हूं कि हमारा प्यार वैसा ही बना रहे और हम एक खुशहाल वैवाहिक जीवन व्यतीत करें।
- शादी में उस व्यक्ति पर नजर रखें जिसके लिए आप लड़ रहे हैं, उस व्यक्ति पर नहीं जिसके साथ आप लड़ रहे हैं।
- विवाह सबसे अच्छी टीम होने और एक साथ होने पर एक दूसरे के आदर्श संस्करण होने के बारे में है।
- शादी सिर्फ एक दिन की चीज नहीं है बल्कि एक ऐसी चीज है जिसे सालों तक चलने के लिए आपको हर रोज कड़ी मेहनत करने की जरूरत है।
- अपनी शादी को एक सुरक्षित ठिकाना बनाएं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक टीम के रूप में बाहर से आने वाली नकारात्मकताओं से लड़ें और एक खुशहाल जोड़े के रूप में रहें।

इस विश्व विवाह दिवस पर मैं आशा करता हूं कि सभी विवाहित जोड़े एक-दूसरे में प्यार और खुशी पाएं और आने वाले वर्षों में भी साथ रहें।

आधारभूत संरचना की मजबूती में ही बचाव

अभिषेक कुमार सिंह

तुर्की में आए विनाशकारी भूकंप ने साबित किया है कि प्राकृतिक आपदाओं के सामने इंसान बौना है, वहीं भूकंप को समय रहते पहले से जान लेने की जरूरत रेखांकित हुई ताकि विनाश को न्यूनतम किया जा सके। नीदरलैंड्स के शोधकर्ता फ्रैंक हूगरबीट्स की काफी चर्चा है, जिन्होंने इस भूकंप के आने से चार दिन पहले 3 फरवरी को ही एक ट्वीट में चेताया था कि दक्षिण-मध्य तुर्की, जॉर्डन, सीरिया और लेबनान में रिक्टर पैमाने पर 7.5 या इससे भी अधिक की ताकत वाला भूकंप जल्दी ही आ सकता है। दावा है कि सोलर सिस्टम जियोमैट्री सर्वे के शोधकर्ता हूगरबीट्स ने पिछले कुछ दिनों में पृथ्वी के अलग-अलग हिस्सों में हो रही भूगर्भीय गतिविधियों का अध्ययन कर यह सटीक अनुमान व्यक्त किया था।हूगरबीट्स का कहना है कि वह अपने अध्ययन में ग्रहों की स्थिति पर ध्यान देते हैं, जिसके आधार पर भूकंपीय हलचलों को पढ़ा जा सकता है। कहा जा रहा है कि अगर उनकी भविष्यवाणी को गंभीरता से लिया जाता, तो इतने बड़े विनाश को टाला जा सकता है। लेकिन भूगर्भशास्त्री और भूकंपवेत्ता इस राय से इत्तेफाक नहीं रखते। उनका मानना है कि अभी विज्ञान इतना उन्नत नहीं हुआ है कि भूकंप को उसके आने से कई दिन पहले जान लिया जाए। निस्संदेह, वैज्ञानिक तौर-तरीकों के आधार पर भी भूकंप को पहले से जानना मुश्किल है। धरती के भीतर चल रही भूगर्भीय प्रक्रियाओं की वजह से हर साल दस करोड़ छोटे-मोटे भूकंप दुनिया में आते हैं। वैसे हर सेकेंड लगभग तीन भूकंप ग्लोब के किसी न किसी कोने पर सिस्मोग्रॉफ के जरिए अनुभव किए जाते हैं। इनमें से 98 फीसदी सागर तलों में आते हैं, इसलिए सतह पर महसूस ही नहीं होते। जो दो प्रतिशत जलजले सतह पर महसूस होते हैं, उनमें से भी करीब सौ भूकंप ही हर साल रिक्टर पैमाने पर दर्ज किए जाते हैं। इन्हीं कुछ दर्जन भूकंपों में बड़ा भारी विनाश छिपा रहता है। ऐसी भविष्यवाणी करने का मतलब अंधेरे में तीर चलाने जैसा है। वैसे वैज्ञानिक कई विधियों से धरती के अंदर चल रही हलचलों की टोह लेने की कोशिश करते हैं। भूकंपवेत्ता धरती की भीतरी चट्टानी प्लेटों की चाल, अंदरूनी फॉल्ट लाइनों और ज्वालामुखियों से निकल रही गैसों के दबाव पर नजर रख कर भूकंप का पूर्वानुमान लगाने की कोशिश करते हैं। जापान और कैलिफोर्निया में जमीन के अंदर चट्टानों में ऐसे सेंसर लगाए गए हैं जो बड़ा भूकंप आने से ठीक 30 सेकेंड पहले इसकी चेतावनी जारी कर देते हैं। वर्ष 2005 में अमेरिका के जूलॉजिकल सर्वे विभाग ने तो इसके लिए बाकायदा एक वेबसाइट बनाई थी, जिसमें स्थान विशेष के धरातल में हो रहे बदलावों पर नजर रखकर हर घंटे भूकंप की संभावना वाले क्षेत्रों का अनुमान लगाकर वे स्थान नक्शों में चिन्हित किए जाते हैं, जहां भूकंप की कोई आशंका हो। इन जानकारियों और गणनाओं के लिए उस विभाग में एक बड़ा नेटवर्क बना रखा है। हालांकि, अमेरिका से उलट हमारी सरकार ने वर्ष 2015 में लोकसभा में बताया था कि भारत ही नहीं, दुनिया में कहीं भी भूकंप की भविष्यवाणी के लिए कोई तकनीक या प्रौद्योगिकी का विकास नहीं हुआ है। इस दिशा में अभी दुनियाभर में काम चल रहा है। अभी अप्रत्यक्ष माध्यम के जरिये कुछ आकलन किए जाते हैं, जिनमें तापमान में वृद्धि, हवा में नमी, पानी की लहरों में बदलाव आदि शामिल हैं। वहीं पक्षियों के स्वभाव में परिवर्तन देखकर अनुमान का आकलन किया जा रहा है। भारत में भी भूकंपों को लेकर चिंता है क्योंकि एक साल के अंदर दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तरी इलाकों में कम ताकत वाले कई भूकंप आ चुके हैं। पर्वतीय राज्यों- खास तौर से उत्तराखंड से लेकर एनसीआर की जमीन के भीतर बहुत अधिक खिंचाव की स्थिति पैदा होने की बात कही जाती है। देहरादून स्थित वाडिया इंस्टिट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने कई बार चेताया है कि हिमालय क्षेत्र में एक बड़ा भूकंप कभी भी आ सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि धरती के नीचे भारतीय प्लेट व यूरेशियन प्लेट के बीच टकराव बढ़ रहा है, जिससे वहां बड़े पैमाने पर ऊर्जा जमा हो गई है और वह कभी भी बड़े विस्फोट के साथ बाहर निकल सकती है जो बड़े भूकंप का कारण बनेगी। इन खतरों से निपटने के लिए संबंधित राज्यों में कारगर नीतियां बनायी जानी चाहिए। वैसे भूकंप की ठीक-ठीक भविष्यवाणी संभव नहीं है। कई बार भविष्यवाणियां गलत साबित हुईं। करीब बारह साल पहले इटली के छह साइंटिस्टों और एक सरकारी अधिकारी के खिलाफ इसलिए हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था क्योंकि वे छह अप्रैल, 2009 को इटली के ला-अकिला में आए भूकंप की भविष्यवाणी नहीं कर पाये। उस इलाके में निकल रही रेडॉन गैस की मात्रा के आधार पर इन साइंटिस्टों ने आश्वस्त किया था कि फिलहाल खतरा ऐसा नहीं है कि पूरे इलाके को खाली कराया जाए। पर उनके आश्वासन देने के अगले दिन वहां 6.3 की ताकत वाला बड़ा भूकंप आ गया, जिसमें 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई।

वैसे भूकंप से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है सतर्कता और बचाव के इंतजाम करना। जैसे, अल्जीरिया में ज्यादातर स्कूलों और रिहायशी इलाकों की इमारतें सीस्मिक बिल्डिंग कोड के तहत बनाई गई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया ने दिया 500 नए एयरक्राफ्ट का ऑर्डर

-इतिहास में एविएशन सेक्टर की सबसे बड़ी डील

नई दिल्ली । एयर इंडिया को वर्ल्ड क्लास बनाने के लिए कंपनी ने 500 नए एयरक्राफ्ट का ऑर्डर दिया है। एयर इंडिया ने 100 अरब डॉलर से अधिक में ये डील की है। कंपनी ने इसके लिए फ्रांस के एयरबस और अमेरिका की बोइंग के साथ डील की है। खबरों की माने तो एयर इंडिया ने 430 नैरो बॉडी और 70 वाइड बॉडी प्लेन का ऑर्डर दिया है। इसमें 280 विमान एयरबस से खरीदे जाएंगे। जिसमें 210 सिंगल-आइज़ल वाले और 40 वाइडबॉडी वाले विमान होंगे। एयरबस के अलावा बोइंग से 220 विमान खरीदने की तैयारी है। इसमें 737 मैक्स नैरोबॉडी जेट्स, 787 वाइडबॉडी 777 एक्सएस विमान शामिल हैं। माना जा रहा है कि अगले हफ्ते इस बारे में कंपनी की ओर से जानकरी साझा कर दी जाएगी। खबर के मुताबिक एयर इंडिया इन विमानों की मदद से खुद को वर्ल्ड क्लास एयरलाइंस बनाने की दिशा में काम करेगी। वहीं एयर इंडिया की सस्ती विमान सेवा एयर इंडिया एक्सप्रेस की सर्विस को और विस्तृत किए जाने पर फोकस होगा। इस बारे में अभी एयर इंडिया की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। गौतरलब है कि टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया एसबीआई और बैंक ऑफ बड़ौदा से 18000 करोड़ रुपये का लोन लेने जा रही है। एयर इंडिया अपने शॉर्ट टर्म नें अपने मौजूदा लोन को रिफाइनेंस करने के लिए ऐसा करेगी। एयर इडिया अपने एक्सपेंशन प्लान पर काम कर रही है। एयरलाइंस का फोकस ऑन टाइम प्रदर्शन पर है। फ्लाइट में यात्रियों की सुविधा में विस्तार किया जा रहा है। सिंगापुर एयरलाइंस ने टाटा के साथ अपने ज्वाइंट वेंचर विस्तार का मर्जर एयर इंडिया में करने का ऐलान किया है।बता दें कि टाटसंस के साथ जुड़ने के बाद से एयर इंडिया के पंख फैल रहे हैं। विमान सेवाओं से लेकर नई विमानों की खरीद में एयर इंडिया लगातार आगे बढ़ रही है। एविएशन के इतिहास का ये सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट ऑर्डर है।

बाराबंकी में पहली बार जुटे उद्यमी, 8350 करोड़ के सहमति पत्रों पर हुए हस्ताक्षर

बाराबंकी । बाराबंकी में जनपद स्तरीय निवेश कुंभ का आयोजन किया गया। जिसमें 217 निवेशकों ने 8530 करोड़ रुपए से अधिक के एमओयू पर हस्ताक्षर किए। तीन दिन तक इस उपलब्धि का जश्न मनाया जाएगा। लखनऊ में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का शुभारंभ प्रधानमंत्री ने किया, जिसका सीधा प्रसारण बाराबंकी के रिट्ज रिजॉर्ट में किया गया। यहां अधिकारियों ने निवेशकों के साथ बैठक कर निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। उनकी समस्याओं के समाधान के बारे में भी बात की। इस मौके पर विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। बाराबंकी जिले में संभवत- यह पहला मौका है जब एक साथ इतने निवेश के लिए उद्यमियों को एक छत के नीचे लाया गया। दावा किया जा रहा है कि इस निवेश में उद्योगों के शुरू होने के साथ एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। इस निवेश कुंभ में निवेशकों के साथ सांसद, विधायकों व सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिन निवेश प्रस्तावों के लिए एमओयू हुए, उनका संक्षिप्त पुनरीक्षण होगा। इस कार्यक्रम के बारे में बताया गया कि जितने निवेशकों ने यहां बाराबंकी में निवेश प्रस्ताव दिए हैं, उन निवेशकों का सम्मान करना, उनको पहचान दिलाना, उनको प्रेरित करना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। निवेशकों ने कहा यहां निवेश के लिए फ्रेंडली माहौल दिखा। पहले हमें डर लगता था फैक्ट्री लगाने में लेकिन अब माहौल सकारात्मक है। प्रशासन के शीर्ष अधिकारी अब हमारे यहां आते हैं।

30 लाख मीट्रिक टन गेहूं को बेचेगी केंद्र सरकार

-महंगाई से राहत देने सरकार उठाएगी बड़ा कदम

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार 30 लाख मीट्रिक टन गेहूं को बेचने की तैयारी कर रही है। केंद्र सरकार यह कदम बढती महंगाई पर कंट्रोल करने की मंशा से उठाने जा रही है। गेहूं और आटे की बढ़ती कीमतों को कम करने के लिए, सरकार ने ओपन मार्केट डिस्पोजल स्कीम (ओएमएसएस) के तहत 30 लाख मीट्रिक टन गेहूं को बेचने और राज्य सरकारों, केंद्रीय भंडार, नेशनल कंज्यूमर कोऑपरेटिव फेडरेशन (एनसीसीएफ), नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नेफेड), राज्य सहकारी समितियों/संघों आदि को बिक्री करने का फैसला किया है, ताकि गेहूं और आटा की कीमतों में कमी आ सके। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने शुक्रवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सरकार घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और बढ़ती खाद्य कीमतों को नियंत्रित करने के लिए समय-समय पर विभिन्न कदम उठाती है। इन कदमों में कीमतों को कम करने के लिए बफर से रिलीज, स्टॉक सीमा को लागू करना, जमाखोरी को रोकने के लिए संस्थाओं द्वारा घोषित स्टॉक की निगरानी और आयात शुल्क के युक्तिकरण, आयात कोटा में बदलाव, वस्तु के निर्यात पर प्रतिबंध आदि जैसे व्यापार नीति के साधनों में अपेक्षित बदलाव शामिल हैं। देश की समग्र खाद्य सुरक्षा का प्रबंधन करने और खाद्यान्न की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए, सरकार ने भारतीय ड्यूरम गेहूं के निर्यात को प्रतिबंधित करने के लिए 13 मई, 2022 को गेहूं की निर्यात नीति को मुक्त से निषिद्ध श्रेणी में संशोधित किया और 12 जुलाई, 2022 से आटा (गेहूं) का निर्यात गेहूं के निर्यात पर अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) की सिफारिश के अधीन है। दालों की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को संतुलित करने के लिए तूर और उड़द के आयात को 31-03-2024 तक मुक्त श्रेणी में रखा गया है और मसूर पर आयात शुल्क को घटाकर 31-03-2024 तक शून्य कर दिया गया है। तूर के संबंध में जमाखोरी और प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाओं को रोकने के लिए सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत तुअर के स्टॉकहोल्डर्स द्वारा स्टॉक प्रकटीकरण को लागू करने और स्टॉक की निगरानी और सत्यापन करने के लिए एक निर्देश जारी

किया है। मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) और मूल्य स्थिरीकरण निधि (पीएसएफ) बफर से चना और मूंग के स्टॉक कीमतों को कम करने के लिए लगातार बाजार में जारी किए जाते हैं और कल्याणकारी योजनाओं के लिए राज्यों को भी आपूर्ति की जाती है। बता दें कि महंगे आटे ने लोगों का बजट बिगाड़कर रख दिया है। महंगाई से राहत पाने के लिए केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है।

एक झटके में गंवाए 1,97,98,78,80,000 रुपए, टॉप-20 से भी बाहर हुए गौतम अडाणी

नई दिल्ली। अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग की रिपोर्ट का असर बेअसर होता नहीं दिख रहा है। प्रख्यात उद्योगपति गौतम अडाणी ने हिंडनबर्ग के खिलाफ कानूनी लड़ाई की तैयारी कर ली है, लेकिन इस रिपोर्ट के कारण अडाणी के शेयरों में शुरू हुआ गिरावट का दौर थम नहीं रहा है। अडाणी के शेयर लगातार नीचे जा रहे हैं। कारोबारी हफ्ते के शुरूआत में अडाणी के शेयरों में थोड़ी तेजी देखने को मिली थी, लेकिन हफ्ते के आखिरी दौर में यह असर फिर से दिखने लगा। हिंडनबर्ग के बाद रेटिंग एजेंसियों, विदेशी निवेशकों से मिल रहे झटकों का असर है कि अडाणी के शेयरों और संपत्ति में भारी गिरावट दर्ज की गई है। शुक्रवार को हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन अडाणी के तीन शेयर 52 हफ्ते के लो पर पहुंच गए। शेयरों में गिरावट के चलते गौतम अडानी की निजी संपत्ति को भी नुकसान हुआ है। अडाणी समूह की कंपनियों के शेयर में भारी गिरावट के चलते गौतम अडाणी की नेटवर्थ गिरकर 58 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। जो एक दिन पहले तक 60 अरब डॉलर के पार हो गया था। अडानी को शुक्रवार को 2.4 अरब डॉलर यानी 1,97,98,78,80,000 रुपए का झटका लगा है। इस गिरावट के चलते वो फोर्ब्स के रियल टाइम बिलेनियर लिस्ट में 17वें नंबर से खिसककर फिर से 22वें नंबर पर पहुंच गए है। कभी 150 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के दूसरे सबसे अमीर अरबपति कहलाने वाले गौतम अडाणी इस लिस्ट में पिछड़ते हुए 22वें नंबर पर पहुंच गए हैं।अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर 4.28 फीसदी तक गिर गए हैं। हिंडनबर्ग की निगेटिव रिपोर्ट के बाद इंडेक्स प्रोवाइडर एमएससीआई ने अडाणी के चार शेयरों के फ्री फ्लोट स्टेटस में कटौती कर दी है। जिसके कारण इंडेक्स में उनका वेटेज कम हो सकता है।

टाटा पावर और अडाणी पावर दोनों ही शेयरों को लेकर जल्दबाजी में निर्णय न लें निवेशक

नई दिल्ली ।

टाटा पावर और अडानी पावर दोनों ही कंपनियों के शेयर शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। दोनों स्टॉक लंबे समय से टूट रहे हैं। बीते दिन टाटा पावर अपने पिछले बंद आंकड़े 205.55 रुपए के मुकाबले 1.29 फीसदी गिरकर 202.20 रुपए पर पहुंच गया। दूसरी तरफ अडाणी समूह का स्टॉक अडाणी पावर अपने पिछले क्लोजिंग के मुकाबले 4.97 प्रतिशत गिरकर 164.30 रुपये के निचले प्राइस बैंड पर पहुंच गया। इन दोनों शेयरों पर दांव लगाने वाले निवेशक लगातार टूटते स्टॉक की वजह से टेंशन में हैं कि आखिर उन्हें किस स्टॉक के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

दोनों शेयरों के शुक्रवार के आंकड़े को देखें, तो टाटा पावर ने 20 जून, 2022 को अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर 190 रुपये से 6.79 प्रतिशत अधिक पर कारोबार किया। वहीं, अडानी पावर ने अपने एक साल के निचले स्तर 106.10 रुपये से 54.85 प्रतिशत अधिक पर कारोबार किया। टाटा पावर का शेयर पिछले साल यानी 11 फरवरी 2022 को 232.30 रुपये पर था। वहीं, अडाणी पावर 125 रुपये पर था। इस तरह देखें, तो अडानी 31 फीसदी से अधिक पर कारोबार कर रहा था। वहीं, टाटा पावार में 11 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। टाटा पावर ने 31 दिसंबर 2022 (क्वार्टर3 वित्तवर्ष23) को समाप्त तिमाही के लिए टैक्स के बाद अपने कंसोलिडेटेड मुनाफे में सालाना आधार पर 91 फीसदी की बढ़ोतरी हासिल की है, जो 1,052 करोड़ है। दूसरी तरफ, अडानी पावर ने एक साल पहले इसी अवधि में 218.49 करोड़ रुपए की तुलना में क्वार्टर3 वित्तवर्ष 23 के लिए कंसोलिडेटेड लाभ में 96 प्रतिशत की गिरावट आई है। टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट जिगर एस पटेल ने बताया कि पिछले पांच महीनों से टाटा पावर लोअर हाई और लोअर लो के स्तर पर नजर आया है। इसकी वजह से कीमतों में 23 फीसदी की गिरावट आई है। पिछले दो महीनों में इस स्टॉक ने 205 रुपये के आसपास एक ठीक-ठाक आधार बनाया है। लेकिन फिर भी काउंटर पर कोई स्पष्ट ब्रेकआउट या ब्रेकडाउन संकेत नहीं हैं। इस स्टॉक को लेकर अभी इंतजार करने और देखने की जरूरत है।

टेक्निकल एनालिस्ट राजेश भोसले ने कहा कि 215-217 रुपये से आगे कोई भी स्थाई कदम गति प्रदान कर सकता है, जो कीमतों को 228-230 रुपए के स्तर ऑड जोन में पहुंचा सकता है। एआर रामचंद्रन ने कहा टाटा पावर 215 पर मजबूत रेजिस्टेंस के साथ गिरावट की स्थिति में है। इस स्तर से ऊपर प्रतदिन की क्लोजिंग आने वाले हफ्तों में 225-238 के लक्ष्य तक पहुंच सकता।

जबकि अजीत मिश्रा का मानना है कि निवेशकों को फिलहाल अडाणी पावर में कोई भी पोजिशन लेने से बचना चाहिए। डाउनसाइड में 140-155 रुपए के जोन में 140-155 रुपए स्तर पर सपोर्ट मिल सकता है। प्रभुदास लीलाधर में वाइस प्रेसिडेंट (टेक्निकल रिसर्च) वैशाली पारेख ने सुझाव दिया कि स्टॉक मूवमेंट अब इवेंट-आधारित है और निवेशक अपने जोखिम पर निर्णय ले सकते हैं। रामचंद्रन ने कहा अडाणी समूह के शेयरों के आसपास की सभी खबरों को देखते हुए अडाणी पावर एक जोखिम भरा दांव है, लेकिन 186 रुपए से ऊपर का डेली क्लोजिंग आने वाले हफ्तों में 199-222 रुपए के लक्ष्य तक पहुंच सकता है।

वेदांता ने ओडिशा के सुंदरगढ़ में जामकानी कोयला खदान में शुरू किया खनन

भुवनेश्वर। वेदांता ने प्रभावित ग्रामीणों के मुद्दों को हल करने के बाद शनिवार को ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में जामकानी कोयला खनन से परिचालन शुरू कर दिया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। वेदांता लिमिटेड की जामकानी साइट सुंदरगढ़ में पिछले साल 23 दिसंबर से प्रभावित ग्रामीणों के आंदोलन के कारण गतिरोध बना हुआ था, जो मुआवजे और पुनर्वास कॉलोनी की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों और सुंदरगढ़ जिला प्रशासन के साथ-साथ वेदांता अधिकारियों के बीच गहन बातचीत के बाद शुक्रवार को मुद्दों को सुलझा लिया गया। सुंदरगढ़ के एडीएम अभिमन्यु बेहरा ने कहा कि बैठक के बाद कंपनी ने काम शुरू कर दिया है। कोयला खनन से पहले अपनी मांगों को लेकर मेंदरा, जामकानी, गिरीशमा और झारपालंग गांव के ग्रामीण आंदोलन कर रहे थे। कंपनी भूमि खोने वालों के लिए अतिरिक्त मुआवजा या 15 लाख रुपये प्रति एकड़ की रियायती राशि का भुगतान करने पर सहमत हुई है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि इसी तरह तीन लाख रुपये प्रति एकड़ पर पुरानी गणना के अनुसार 12 प्रतिशत की दर से 10 साल की दर से ब्याज देने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया। इसी प्रकार बेघरों की पहचान कर उन्हें पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन की सुविधा उपलब्ध कराना, पुनर्वास कॉलोनियों को रहने योग्य बनाना, विस्थापित परिवारों के प्रत्येक घर का पुनः सर्वेक्षण करना तथा नवनिर्मित आवासों को मुआवजा सूची में सम्मिलित करना भी कंपनी द्वारा स्वीकार किया गया।

1 अप्रैल से बंद हो जाएगी एडवांस एमिशन नॉर्म्स पूरा नहीं करने वाली गाड़ियों की बिक्री

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार 1 अप्रैल से बीएस 6 स्टेज 2 या आसान शब्दों में कहें तो एडवांस एमिशन नॉर्म्स लागू करने जा रही है। इन नियमों को पूरा नहीं करने वाली गाड़ियों की बिक्री 1 अप्रैल से बंद कर दी जाएगी। एक अप्रैल के बाद उनका रजिस्ट्रेशन नहीं किया जाएगा। यदि कार कंपनियां अपनी गाड़ियों को इस तारीख के बाद भी बेचना चाहती हैं, तो उन्हें नए नॉर्म्स को पूरा करने के लिए कारों में जरूरी बदलाव करने होंगे। स्वाभाविक रूप से, ये बदलाव कार कंपनियों के लिए काफी खर्चे का काम है, ऐसे में कार कंपनियां अपनी गाड़ियों के कई मॉडल्स बंद करने जा रही है। इसकी वजह से क्विड 800, अमेज डीजल, होंडा डब्ल्यूआरवी, होंडा सिटी जनरेशन 4, होंडा जैज, आई 20 डीजल, ग्रैड आई 10 नियोस और ऑरा डीजल जैसी गाड़ियां अब नहीं मिलेंगी।इसी के साथ मारुति सुजुकी की आल्टो 800, सियाज और इग्निस जैसी कारों की सेल को भी कंपनी बंद कर सकती है। क्योंकि अभी तक इन कारों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और बिना बदलाव के 1 अप्रैल के बाद इन्हें बेचना संभव नहीं होगा।इन कारों का काफी स्टॉक कंपनी और डीलरशिप पर अभी है। ऐसे में डीलर्स इन कारों को 1 अप्रैल से पहले बेचना चाहेंगे क्योंकि उसके बाद ये नहीं बिक सकेंगी। स्टॉक को क्लियर करने के लिए ऐसी कारों पर काफी बड़ा डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा है। इसका सीधा लाभ आप उठा सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरत होगी कि 1 अप्रैल से पहले आप इन गाड़ियों को खरीद

कर इनका रजिस्ट्रेशन करवा लें।जानकारी के अनुसार लगभग सभी कार कंपनियां अपनी ऐसी कारों पर 10 से 15 प्रतिशत तक का डिस्काउंट ऑफर कर रही हैं। इसके साथ ही डिलर्स भी अपनी ऐसी कारों पर एक्स्ट्रा ऑफर दे रहे हैं। ये ऑफर कैश डिस्काउंट के साथ ही एक्सेसरीज और एक्सचेंज को लेकर हैं। हालांकि सभी ऑफर स्टॉक रहने तक ही सीमित रहेंगे।

टिकटॉक ने भारत के सभी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला, 9 माह की सेलरी देने का किया वादा

नई दिल्ली ।

टिकटॉक ने अपने भारत के सभी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। चीनी कंपनी बाइटडांस के स्वामित्व वाला वीडियो शेयरिंग ऐप भारत में अब चालू नहीं है। सन 2020 में चीन के साथ गालवान घाटी में हुई झड़प के बाद सरकार द्वारा इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं को लेकर जून 2020 में भारत में प्रतिबंधित बाइटडांस ने कर्मचारियों को कहा था कि उन्हें 9 महीने तक नोटिस पीरियड के तौर पर पैसा दिया जाएगा।

हालांकि कुछ कर्मचारी ऐसे भी हैं, जिन्हें 3 महीने का नोटिस पीरियड सर्व करने की बात कही गई है। टिकटॉक से जुड़े सूत्रों ने बताया कि कर्मचारियों को इस सप्ताह की शुरुआत में एक कॉल के जरिए छंटनी के बारे में सूचित किया गया था। बाद में उन्हें नोटिस दिया गया। कंपनी ने कहा है कि वह इन कर्मचारियों को 9 महीने की सैलरी का भुगतान भी करेगी। टिकटॉक इंडिया के कर्मचारियों को जानकारी दी गई थी कि 28 फरवरी उनका आखिरी दिन होगा। ऐसे में उन्हें दूसरे अवसर की तलाश करने के लिए फीलर्स दिए गए थे।

कर्मचारियों कुछ समय पहले बताया गया था कि भारत में कारोबार बंद हो सकता है। चीनी ऐप के भारत में बैन होने के बाद से सभी इंडिया के ज्यादातर कर्मचारी दुबई और बाजील के मार्केट में काम कर रहे थे। इंडिया में टिकटॉट बैन होने तक 200 मिलियन से अधिक यूजर्स थे। कंपनी देश को अपना सबसे बड़ा विदेशी बाजार समझ रही थी। हालांकि इसके प्रतिबंध होने के बाद इंस्टाग्राम ने रील्स पेश किया था।

दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों में छंटनी का सिलसिला जारी है। गूगल, ट्विटर, अमेजन, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब याहू ने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा है कि वह अपने एड टेक डिवीजन में बड़े पैमाने पर रीस्ट्रक्टचरिंग के जरिए कुल 20 फीसदी वर्कफोर्स से ज्यादा की छंटनी की योजना बना रहा है। कंपनी ने कहा कि साल के आखिरी तक यह कटौती याहू के एड टेक डिपार्टमेंट में काम करने वाले 50 फीसदी कर्मचारियों को प्रभावित करेगी। इनमें से 1,000 एम्पलॉइज को इस सप्ताह निकाल दिया जाएगा।

दिसंबर 2022 में घटकर 4.3 प्रतिशत रह गई औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार

नई दिल्ली ।

देश के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) की वृद्धि दिसंबर 2022 में घटकर 4.3 प्रतिशत रह गई है। नवंबर 2022 में औद्योगिक उत्पादन 7.3 प्रतिशत बढ़ा था। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी दी गई है। हालांकि, सालाना आधार पर तुलना की जाए तो औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि बढ़ी है। दिसंबर, 2021 में औद्योगिक उत्पादन एक प्रतिशत बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर, 2022 में विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में 2.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एक साल पहले इस क्षेत्र का उत्पादन 0.6 प्रतिशत बढ़ा था। नवंबर 2022 में विनिर्माण क्षेत्र के उत्पादन में 6.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी।

समीक्षाधीन महीने में खनन उत्पादन 9.8 प्रतिशत बढ़ा। दिसंबर 2021 में खनन क्षेत्र का उत्पादन 2.6 प्रतिशत बढ़ा था। बिजली क्षेत्र के उत्पादन 10.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एक साल पहले समान महीने में बिजली उत्पादन की वृद्धि 2.8 प्रतिशत रही थी। उपयोग आधारित वर्गीकरण के अनुसार, पूंजीगत सामान क्षेत्र का उत्पादन दिसंबर 2022 में 7.6 प्रतिशत बढ़ गया। एक साल पहले समान महीने में इसमें तीन प्रतिशत की गिरावट आई थी। टिकाऊ उपभोक्ता सामग्री क्षेत्र में उत्पादन समीक्षाधीन महीने में 10।4 प्रतिशत घट गया। एक साल पहले समान महीने में क्षेत्र का उत्पादन 1.9 प्रतिशत घटा था। उपभोक्ता गैर टिकाऊ वस्तुओं के उत्पादन में 7.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एक साल पहले समान महीने में इस क्षेत्र का उत्पादन 0.3 प्रतिशत बढ़ा था। समीक्षाधीन महीने में बुनियादी ढांचा निर्माण वस्तुओं के उत्पादन में 8.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। एक साल पहले यह वृद्धि दो प्रतिशत रही थी। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह (अप्रैल दिसंबर) में औद्योगिक उत्पादन 5.4 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि 15.3 प्रतिशत रही थी। देश के कोर सेक्टर में शानदार ग्रोथ रेट अच्छी रही। केन्द्रीय वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए आंकड़ों के अनुसार, 8 बुनियादी ढांचा क्षेत्र के उद्योगों का उत्पादन दिसंबर, 2022 में 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ गया है, जो पिछले 3 माह में सबसे अधिक रही है।

वैश्विक बाजार में महंगा हुआ कच्चा तेल, देश में गिरे पेट्रोल-डीजल के दाम, पेट्रोलियम ग्राहकों को राहत

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शनिवार को तेजी रही। आज डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.66 डॉलर या 2.13 फीसदी बढ़कर 73.39 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। उधर, ब्रेंट क्रूड 1.89 डॉलर या 2.24 फीसदी बढ़कर 79.94 डॉलर पर आ गया है। देश में तेल कंपनियों ने हर सुबह की तरह आज भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में संशोधन किया है। कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बदली हुई नजर आ रही हैं। गुजरात में पेट्रोल और डीजल 70 पैसे सस्ता होकर 96.42 रुपये और 92.17 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। राजस्थान में शनिवार को पेट्रोल 38 पैसे सस्ता होकर 108.17 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। डीजल यहां 34 पैसे गिरकर 93.44 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पंजाब में पेट्रोल 26 पैसे और डीजल 25 पैसे सस्ता होकर क्रमशः 97.55 रुपये और 87.90 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु में भी ईंधन सस्ता हुआ है। वहीं, दूसरी ओर उत्तर प्रदेश, हिमाचल, हरियाणा व उत्तराखंड में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में मामूली बढ़त दिख रही है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपये और डीजल 94.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

कश्मीरी शॉल, सूट, साड़ी और पश्मीना शॉल कर रही आकर्षित

-प्रदर्शनी में कश्मीरी परिधानों की जबर्दस्त डिमांड

अलीगढ़ ।

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ प्रदर्शनी में कश्मीरी व्यापारियों के हाथ से कढ़ाई की हुई शॉल, सूट, साड़ी और पश्मीना शॉल इस बार लोगों को अपनी तरफ काफी आकर्षित कर रही हैं। प्रदर्शनी में पहुंचा हर कोई खरीदने ना सही एक बार देखने के लिए जरूर पहुंच रहा है।बताते चलें कि 142 साल पुरानी ऐतिहासिक प्रदर्शनी में देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ कश्मीर व्यापारी भी पहुंचते हैं और अपने हाथों कढ़ाई की हुई दुर्लभ वस्तुओं को बेचते हैं। गौरतलब हो कि एएमयू के संस्थापक सर सैयद अहमद खां के कार्यकाल में जब पहली बार 1880 में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। तब घोड़ों की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। जिसमें एएमयू के घोड़ों ने भी हिस्सा लिया था। अलीगढ़ प्रदर्शनी देश भर में आयोजित होने वाले मेलों में गंगा-जमनी संस्कृति की मिसाल पेश करती है। जहां एक ही मंच पर मुशायरों के साथ-साथ कोई उपमाएं भी पेश की जाती हैं। कश्मीरी दुकानों पर खरीदारी करने आई मरियम मुस्लिम ने बताया कि कश्मीरी शॉल बहुत अच्छी मिलती है और सूट की तारीफ करते हुए कहा कि कश्मीरी कपड़े अलग होते हैं। उनके रंग, डिजाइन और क्वालिटी अलग होती है, जो कश्मीरी दुकानों के अलावा और कहीं नहीं मिलती। कश्मीरी कपड़ों की खरीददारी के लिए मैं हर साल अलीगढ़ आती हूं।

वहीं पिछले चालीस वर्षों से अलीगढ़ प्रदर्शनी में आने वाले कश्मीरी व्यवसायियों ने अलीगढ़ प्रदर्शनी के आयोजकों और अलीगढ़ प्रशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि, हमें कश्मीर से अलीगढ़ तक व्यापार में कभी कोई दिक्कत नहीं होती।

भारत-ऑस्ट्रेलिया पहला टेस्ट : नागपुर टेस्ट में भारत की बड़ी जीत

-3 दिन में ऑस्ट्रेलिया ने किया सरेंडर, स्द्धद्वंद्व में 1-0 से आगे रोहित ब्रिगेड

नागपुर (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी पहले टेस्ट मैच में रविचंद्रन अश्विन ने पांच विकेट झटके है। दूसरी पारी में उन्होंने पांच विकेट लिए। मोहम्मद शमी और रविंद्र जडेजा ने दूसरी पारी में दो-दो विकेट झटके है। गेंदबाजों की बदौलत भारत ने नागपुर टेस्ट को एक पारी और 132 रनों से जीता है।

बता दें कि तीसरे दिन का खेल शुरू होने पर भारत के पास 144 रनों की लीड थी। रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने पारी को संभालते हुए खेलना शुरू किया। भारत का आठवां विकेट 328 के स्कोर पर गिरा। टॉड मर्फी ने रवींद्र जडेजा की दमदार पारी को 70 रन पर रोकर उन्हें पवेलियन पहुंचाया। आठवें विकेट के लिए अक्षर और जडेजा में 88 रनों की पार्टनरशिप बनी।

इसके बाद भारत की पारी को अक्षर पटेल और मोहम्मद शमी ने संभाला। दोनों ने नौवें विकेट के लिए दमदार पार्टनरशिप की। मोहम्मद शमी 37 रनों की शानदार पारी खेलकर टॉड मर्फी का सातवां शिकार बने। इसके बाद भारत की पारी को अक्षर पटेल लंबे समय तक नहीं खींच सके। हालांकि वो भी अपना शतक पूरा नहीं कर सके और 84 के स्कोर पर आउट हो गए जिससे भारत को कुल 223 रनों की लीड मिली।

ऐसी रही थी भारत की पहली पारी

अक्षर पटेल के 84 और मोहम्मद शमी के 37 रन की मदद से भारत ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को पहली पारी में 400 रन बनाकर 223 रन की बढ़त ले ली। अक्षर और शमी ने नौवें विकेट के लिये 52 रन की साझेदारी की। भारत ने कल के स्कोर सात विकेट पर 321 रन से आगे खेलना शुरू किया। रविंद्र जडेजा कल के ही स्कोर 70 रन पर टॉड मर्फी को अपना विकेट गंवा बैठे।

पिच में तीसरे दिन भी बहुत बदलाव नहीं देखा गया और धीमी पिच पर बल्लेबाजों को ज्यादा परेशानी नहीं हुई। भारतीय पारी का अंत होते ही लंच ब्रेक ले लिया गया। शमी को नाथन लियोन की गेंद पर स्कॉट बोलैंड ने छह के स्कोर पर जीवनदान दिया। इसके बाद शमी ने आस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मर्फी को तीन छक्के लगाये। उन्होंने पहले मिडविकेट पर स्लॉग स्वीप खेला, इसके बाद लांग आफ में स्ट्रेट ड्राइव लगाया और फिर लॉन्ग आन पर छक्का जड़ा।

उनकी आक्रामक पारी के दम पर 50 रन की साझेदारी महज 65 मिनट में बन गई। पटेल ने शमी को ही ज्यादा स्ट्राइक लेने दी। शमी चौथा छक्का लगाने के प्रयास में अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद पटेल ने मर्फी को अपनी पारी का पहला छक्का लगाया। आस्ट्रेलियाई

कप्तान पैट कमिंस ने पटेल को बोल्ड करके भारतीय पारी का अंत किया।

ऐसी थी ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

बता दें कि ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन चाय के बाद पहली पारी में 177 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मार्नस लाबुशेन ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 37 जबकि एलेक्स कैरी ने 36 रन की पारी खेली। भारत की तरफ से रविंद्र जडेजा ने पांच जबकि रविचंद्रन अश्विन ने तीन विकेट चटकाए।

तजिंदरपाल सिंह तूर ने एशियन इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शॉट पुट में स्वर्ण पदक जीता

ज्यूरिख (एजेंसी)। एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 पुरुषों के बाहरी शॉट पुट में भारत के मौजूदा राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक तजिंदरपाल सिंह तूर ने स्वर्ण पदक जीता है। शुक्रवार को कजाकिस्तान के अस्ताना में चल रही चैंपियनशिप तूर ने 19.49 मीटर की दूरी के साथ व्यक्तिगत इनडोर सर्वश्रेष्ठ के साथ स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता में तजिंदरपाल सिंह तूर दमदार प्रदर्शन कर शीर्ष स्थान हासिल किया है।

गौरतलब है कि तजिंदरपाल सिंह तूर एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता (2018), आउटडोर एशियाई चैंपियन (2019) हैं। यही नहीं उन्होंने 2018 में तेहरान में चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में 19.18 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक पर कब्जा जमाया था।

बता दें कि 10 जनवरी को हुए मुकाबले में तजिंदरपाल सिंह तूर ने अपने पहले प्रयास में एक फाउल किया। मुकाबले के अपने तीसरे और पांचवें प्रयास में 19.49 मीटर की दूरी तय की। इस दूरी के साथ तजिंदरपाल सिंह तूर ने विजयी थ्रो बनाकर चैंपियनशिप में अपना पहला स्वर्ण जीता।

इस टूर्नामेंट में करणवीर सिंह 19 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले एकमात्र अन्य एथलीट थे। उन्होंने 19.37 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं कजाकिस्तान के इवान इवानोव ने 18.10 के थ्रो के साथ ब्रॉन्ज पर कब्जा किया।

प्रवीण ने बनाया नया रिकॉर्ड

भारत के राष्ट्रीय ट्रिपल-जंप चैंपियन प्रवीण चित्रवेल ने 16.98 मीटर की छलांग के साथ रजत पदक जीता। इसी के साथ उन्होंने एक नया राष्ट्रीय इनडोर रिकॉर्ड भी कायम किया है। इस मुकाबले में चीन के ओलंपियन फांग याओकिंग ने 17.20 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण और दक्षिण कोरिया की यू ग्यूमिन ने 16.73 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता।

हेप्थलान में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली स्वप्ना बर्मन ने पेंटाथलॉन स्पर्धा में रजत पदक जीता। उन्होंने कुल 4119 अंक हासिल किए जो कि नया इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। उसने 60 मीटर बाधा दौड़ में 8.64 सेकंड में शीर्ष स्थान हासिल किया, ऊंची कूद में 1.75 मीटर की छलांग के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और लंबी कूद में 5.91 मीटर की छलांग के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, गोला फेंक में 12.13 मीटर की छलांग के साथ पांचवां और छठा स्थान हासिल किया। नौ खिलाड़ियों वाले मैदान में 2:27.57 के समय के साथ 800 मीटर स्प्रिंट में स्थान पाया। भारत की सौम्या मुरुगन 3654 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रहीं।

उज्बेकिस्तान की एकातेरिना वोरोनिना ने पेंटाथलॉन में 4,386 अंकों के साथ जीत हासिल की और जापान की युकी यामासाकी 4,078 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

इससे पहले भारत के जेसविन एल्ड्रिन ने 7.93 मीटर के नए इनडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ पुरुषों की लंबी कूद के फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने मुरली श्रीशंकर और कुमारवेल प्रेम कुमार द्वारा बनाए गए 7.92 मीटर के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया। मुहम्मद अनीस याहिया 7.48 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ नौवें स्थान पर रहे। उन्हें फाइनल मुकाबले में जगह बनाने में सफलता नहीं मिली। फाइनल मुकाबला अब 12 फरवरी को होगा।

कंगारुओं के ऊपर कहर बनाकर टूटे आर अश्विन, दूसरी पारी में 5 विकेट चटके

नागपुर (एजेंसी)। भारतीय गेंदबाज आर अश्विन ने फिर साबित कर दिया कि उन्हें क्यों चैंपियन गेंदबाज कहा जाता है। इस ऑफ स्पिनर ने पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। पहली पारी में भी उन्हें 3 विकेट मिला था। ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी पारी में सिर्फ 91 रन बनाकर ऑलआउट हुई। भारतीय टीम ने इसके साथ 4 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। मैच के तीसरे दिन शनिवार को भारतीय टीम 400 रन बनाकर आउट हुई। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 177 रन बनाए थे। इस तरह से भारत को 223 रन की बड़ी बढ़त मिली। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज दूसरी पारी में कोई भी संघर्ष नहीं दिखा सके। कंगारुओं ने 5 विकेट सिर्फ 52 रन पर चले गए थे। अंत में पूरी टीम 32.3 ओवर में 91 रन पर सिमट गई। इस तरह से भारत को पारी और 132 रन से बड़ी जीत मिली। दूसरा टेस्ट 17 फरवरी से दिल्ली में खेला जाएगा।

आर अश्विन ने टेस्ट करियर में 31वीं बार 5 विकेट लिए। उन्होंने इसी मैच में 450 विकेट का आंकड़ा भी छूआ। वे अब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह को पीछे छोड़ा। अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गास्कर ट्रॉफी में अब तक 19 टेस्ट में 30 की औसत से 97 विकेट लिए हैं। वे 100 विकेट से सिर्फ 3 कदम दूर हैं। वे मौजूदा सीरीज में इस आंकड़े को हासिल कर सकते हैं। 103 रन देकर 7 विकेट बेस्ट प्रदर्शन है।

भज्जी ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 18 मैच में 30 की औसत से 95 विकेट झटके। 84 रन देकर 8 विकेट बेस्ट प्रदर्शन रहा है। 7 बार 3 और एक बार 10 विकेट लिया है। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हैट्रिक भी ले चुके हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड पूर्व भारतीय दिग्गज अनिल कुंबले के नाम है।

महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान को मात देकर टूर्नामेंट की शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

केपटाउन (एजेंसी)। लंबे समय से आईसीसी खिताब को तरस रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप के पहले मुकाबले में रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ उतरेगी तो उसका इरादा इस बार इंतजार को खत्म करने का होगा। भारत और पाकिस्तान का मुकाबला वैसे भी रोमांचक होता है लेकिन भारतीय टीम का पलड़ा भारी होने से यह शायद अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सके।

पाकिस्तान ने हालांकि भारत को पिछले साल एशिया कप में हराया था जब भारतीय टीम ने जरूरत से ज्यादा प्रयोग किये थे। पिछले पांच साल में दोनों टीमों के बीच जमीन आसमान का अंतर देखने को मिला है। भारतीय टीम आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के दबदबे को लगातार चुनौती दे रही है जबकि पाकिस्तानी महिला टीम कुछ खास नहीं कर सकी। पहली महिला प्रीमियर लीग की नीलामी से एक दिन पहले होने वाले इस मैच में भारतीय खिलाड़ियों के लिये अतिरिक्त प्रेरणा रहेगी लेकिन कुछ का फोकस हट भी सकता है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की फिटनेस को लेकर भी संदेह है जो क्रमशः कंधे और ऊंगली की चोट से जूझ रही हैं। उनके खेलने के बारे में फैसला शनिवार को अभ्यास सत्र के बाद लिया जायेगा। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा ,'' दोनों सीनियर खिलाड़ी हैं और टीम के लिये काफी महत्वपूर्ण है। अगर उनकी फिटनेस को लेकर तनिक भी संदेह हुआ तो हम जोखिम नहीं लेंगे क्योंकि यह पहला ही मैच है।'' भारत को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ने त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में हराया है।

इसके अलावा अभ्यास मैच में आस्ट्रेलिया से हारे लेकिन बांग्लादेश को हराया। भारतीय टीम के सेमीफाइनल तक पहुंचने की प्रबल संभावना लग रही है लेकिन आस्ट्रेलिया को हराने के लिये उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। रेणुका सिंह को छोड़कर गेंदबाजों में आत्मविश्वास नहीं दिख रहा। अनुभवी शिखा पांडे ने पिछले महीने वापसी के बाद से एक भी विकेट नहीं लिया है। स्पिनरों का प्रदर्शन भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा।

वहीं बल्लेबाजी में हरमनप्रीत और मंधाना को दूसरे छोर से सहयोग की जरूरत है। हाल ही में अंडर 19 विश्व कप जीतने वाली शेफाली वर्मा लगातार अच्छा प्रदर्शन करके आलोचकों को जवाब देना चाहेंगी। जेमिमा रौड्रिग्स से भी अच्छी पारी की उम्मीद है। गेंदबाज हरफनमौला पूजा वस्त्राकर की भूमिका अहम होगी जबकि डैथ ओवरों में रिचा घोष को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पाकिस्तान के लिये निदा दर पर काफी दारोमदार होगा। पाकिस्तान ने हाल ही में आस्ट्रेलिया में श्रृंखला खेली है और अभ्यास मैच में बांग्लादेश को हराया लेकिन दक्षिण अफ्रीका से हार गए।

टीमें

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, रिचा घोष, जेमिमा रौड्रिग्स, हरलीन देयोल, दीप्ति शर्मा, देविका वैद्य, राधा यादव, रेणुका ठाकुर, अंजलि सरवानी, पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़ , शिखा पांडे।

पाकिस्तान: बिस्माह मारूफ (कप्तान), ऐमान अनवर, आलिया रियाज, आयशा नसीम, सदफ शमास, फातिमा सना, जावेरिया वदूद, मुनीबा अली, नशरा सुंधू, निदा दर, ओमैमा सोहेल, सादिया इकबाल, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज, तुबा हसन।

ईसीसी ने नियम तोड़ने पर जड़ेजा पर लगाया मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना

नई दिल्ली। रवींद्र जडेजा ने 5 महीने बाद टीम इंडिया में वापसी की और आते ही टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में 7 विकेट लेने के अलावा 70 रन की बेजोड़ पारी भी खेली। भारत ने मैच पारी और 132 रन से जीता। इस बीच आईसीसी ने जडेजा पर कड़ा फैसला सुनाया है।

उन्हें नियम का उल्लंघन करने पर आईसीसी ने दंडित किया है। उन्हें डी-मेरिट प्वाइंट मिले हैं और मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना भी लगाया है। गेंदबाजी के दौरान जडेजा ने उंगली पर क्रीम लगाई थी और इस दौरान उनके हाथ में गेंद भी थी। ऐसे में आईसीसी ने नियम के मुताबिक, उन्हें दोषी माना है। हालांकि आईसीसी इस बात से संतुष्ट दिखी कि जडेजा ने गेंद पर कोई बाहरी पदार्थ नहीं लगाया। आईसीसी की ऑफिशियेटिंग टीम ने रवींद्र जडेजा को इसलिए दोषी माना क्योंकि उन्होंने मैदानी अंपायर्स को बताए बिना क्रीम जैसी चीज का उपयोग किया। इस कारण उन्हें डी-मेरिट अंक के अलावा जुर्माना भी भरना होगा। इस मुद्दे को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन तक ने सवाल उठाए थे। मालूम हो कि मैच के पहले दिन एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें दिख रहा था कि रवींद्र जडेजा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के हाथ में लगी क्रीम को अपनी उंगली में लगा रहे हैं। इस दौरान उनके हाथ में गेंद भी थी। इस पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान वॉन ने निशाना साधते हुए लिखा था कि वे अपनी स्पिन कराने वाली उंगली पर क्या लगा रहे हैं? ऐसा कभी नहीं देखा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान टिम पेन ने लिखा था कि दिलचस्प मामला है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022: मेजबान मध्य प्रदेश ने हॉकी में जीता गोल्ड, वेटलिफ्टिंग में बनाया रिकॉर्ड

मेलबर्न (एजेंसी)। मेजबान मध्य प्रदेश ने शुक्रवार को खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 मध्य प्रदेश के अंतिम दिन यानी आयोजन के 12वें दिन लड़कों की हॉकी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। ग्वालियर की एमपी महिला अकादमी टर्फ में आयोजित हुई प्रतियोगिता में टीम ने ओडिशा को 3-2 से हराया। वहीं मणिपुर की भारोत्तोलक एम. मार्टिना देवी ने लड़कियों के 81 किग्रा+ वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इस स्वर्ण पदक के साथ उन्होंने तीन राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड भी तोड़े।

महाराष्ट्र रहा अव्वल

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 में महाराष्ट्र ने कुल 53 स्वर्ण, 53 रजत और 47 कांस्य पदक जीते। इन पदक के साथ पदक तालिका में महाराष्ट्र शीर्ष स्थान पर रहा। हरियाणा और मध्य प्रदेश क्रमशः 40 और 36 स्वर्ण के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। वहीं लड़कों की हॉकी प्रतियोगिता के बाद लड़कियों की हॉकी प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की टीम स्वर्ण पदक जीतने से चूक गई। झारखंड की टीम ने 4-3 से जीत हासिल की।

केरल और मणिपुर ने क्रमशः लड़कों और लड़कियों के फुटबॉल स्वर्ण पदक जीते, जबकि गुजरात के शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यन शाह और कर्नाटक की दूसरी वरीयता प्राप्त सुहिता मारुरी ने लड़कों और लड़कियों के टेनिस एकल में स्वर्ण पदक जीते।

भारोत्तोलन प्रतियोगिता के आयोजन स्थल इंदौर के बास्केटबॉल परिसर में फिर से एक व्यक्ति द्वारा तीन और राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड बनाए गए। मणिपुर की एम. मार्टिना देवी ने कुल 199 किग्रा भार उठाकर लड़कियों के 81 किग्रा+ वर्ग में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। ये सिर्फ उनका एक राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड नहीं था बल्कि बल्कि स्नैच (88 किग्रा) और क्लीन एंड जर्क (111 किग्रा) की उपलब्धि हासिल की। लड़कियों के 81 किग्रा श्रेणी में आंध्र की चौधरी श्री लक्ष्मी ने कुल 191 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता। लड़कों के 102 किग्रा वर्ग में दिल्ली के अक्षत शर्मा ने 274 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण जीता। लड़कों के 102 किग्रा+ चंडीगढ़ के परमवीर सिंह ने कुल 311 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता।

इससे पहले दिन में लड़कियों के हॉकी कांस्य में हरियाणा ने ओडिशा को 1-0 से हराया जबकि लड़कों के कांस्य में पंजाब ने झारखंड को 2-0 से हराया। केरल ने इंदौर के एमराल्ड हाइट्स फुटबॉल मैदान में लड़कों की फुटबॉल प्रतियोगिता जीती जब उन्होंने कर्नाटक को 2-0 से हराया। खेल के पहले हाफ में श्रीराज सीपी (31वें मिनट) और किरण के (43वें मिनट) ने विजयी टीम के लिए गोल दागे। लड़कियों के फुटबॉल फाइनल में मणिपुर ने खेल के 74वें मिनट में बबिता ओइनम देवी के गोल से पश्चिम बंगाल को 1-0 से हरा दिया।

राष्ट्रीय हॉकी शिविर में ध्यान शारीरिक फिटनेस और मजबूती हासिल करने पर: शॉपमैन

बेंगलुरू (एजेंसी)। हांगझोऊ एशियाई खेलों को ध्यान में रखते हुए भारतीय महिला हॉकी टीम अपने आगामी व्यस्त सत्र के लिये तैयारियों की शुरूआत रविवार से यहां शुरू होने वाले राष्ट्रीय शिविर से करेगी जिसके लिये 33 संभावित खिलाड़ियों को चुना गया। मुख्य कोच यानेक शॉपमैन ने कहा कि आगे के व्यस्त सत्र के लिये उनका ध्यान शारीरिक फिटनेस में सुधार करने पर लगा होगा। भारतीय टीम हाल में दक्षिण अफ्रीका के दौरे से लौटी है जिसमें उन्होंने चार मैचों की श्रृंखला में मेजबान को 3-0 से शिकस्त दी। सविता पूनिया की अगुआई वाली टीम ने दुनिया की नंबर एक टीम नीदरलैंड के खिलाफ भी तीन मैत्री मैच खेले।

शिविर के बारे में बात करते हुए शॉपमैन ने कहा, ''मैं बहुत खुश हूं कि हम इस आगामी हफ्ते में अपना शिविर शुरू कर सकते हैं। हमारा दक्षिण अफ्रीका का दौरा अच्छा रहा जिससे हमें पता चला कि हमें आगामी हफ्तों में किस चीज पर काम करना है। हम इस शिविर का इस्तेमाल शारीरिक फिटनेस पर ध्यान लगाने के लिये करेंगे ताकि सुनिश्चित कर सकें कि आगामी महीनों में हमारी नींव मजबूत हो।' शिविर 26 मार्च को समाप्त होगा।

फॉर्मूला ई में वर्गेन का छाया जादू, ई प्री में हासिल किया पहला स्थान

हैदराबाद। डीएस पेंसके के अनुभवी ड्राइवर जीन एरिक वर्गेन ने शनिवार को यहां हैदराबाद ई प्री में जीत हासिल की। इस फॉर्मूला ई रेस से भारत में शीर्ष स्तर की मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिता की सफल वापसी हुई। इस 33 लैप की इलेक्ट्रिक रेस में वर्गेन को एन्विसन रेसिंग के निक कैसिडी से कड़ी चुनौती मिली लेकिन वह आखिर में उन्हें पीछे छोड़ने में सफल रहे। पोर्श के एंटोनियो फेलिक्स दा कोस्टा ने तीसरा स्थान हासिल किया। उन्हें सेबेस्टियन बइमी पर लगे 17 सेकंड के जुर्माने का फायदा मिला। अपनी पहली घरेलू रेसिंग में भाग ले रही महिंद्रा रेसिंग को ओलिवर रोलैंड ने एक अंक दिलाया। वह दसवें स्थान पर रहे।

साबले और पारूल का नाम विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप की प्रवेश सूची में शामिल

नई दिल्ली। लंबी दूरी के धावक अविनाश साबले 18 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया के बाथर्स्ट में होने वाली विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप की प्रवेश सूची में शामिल पांच भारतीय एथलीटों में शामिल हैं। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों (2022) में 3000 मीटर स्टीपलचेज में रजत पदक विजेता साबले के अलावा इस सूची में आनंद सिंह दूसरे भारतीय पुरुष धावक है। आनंद पिछले महीने असम में आयोजित इंडियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहे थे। इस स्पर्धा के लिए जारी पुरुष धावकों की सूची में 47 देशों से 215 खिलाड़ियों का नाम है। महिला वर्ग में 2019 एशियाई चैंपियनशिप में 5000 मीटर में कांस्य पदक विजेता पारुल चौधरी, संजीवनी जाधव और छवि यादव का नाम है। महिलाओं की सूची में 31 देशों के 102 खिलाड़ियों का नाम है। पारुल ने पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में देश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। उन्होंने इस दौरान इंडियन ग्रां प्री में दो स्वर्ण पदक जीते। राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप और राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया। पारुल ने ओरेगन में विश्व चैंपियनशिप में 12 स्थान हासिल कर प्रभावित किया था। इस स्पर्धा में हालांकि साबले से सबसे ज्यादा उम्मीदें होंगी। साल 2015 से दौड़ना शुरू करने वाले इस धावक ने अब तक नौ बार 3000 मीटर स्टीपलचेज में राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इस 28 वर्षीय एथलीट के नाम 5,000 मीटर और हाफ मैराथन का भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड है।

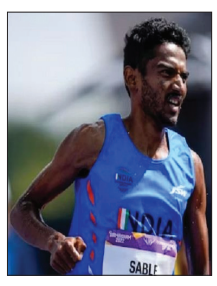

मैगनस कार्लसन बने एयरथिंग्स मास्टर्स शतरंज विजेता

ओस्लो ,नॉर्वे । चैम्पियन चैस टूर 2023 के पहले पड़ाव एयरथिंग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब आखिरकार नॉर्वे के मौजूदा विश्व चैम्पियन मैगनस कार्लसन नें जीत लिया है । कार्लसन नें ग्रांड फाइनल में एक बार फिर से यूएसए के हिकारु नाकामुरा को पराजित किया । दोनों के बीच हुए चार रैपिड मुक़ाबले 2.5-1.5 से कार्लसन के पक्ष मे रहे । कार्लसन नें पहले ही रैपिड मे सफ़ेद मोहरो से जीत दर्ज करते हुए 1-0 की बढ़त हासिल कर ली और इसके बाद बचे हुए तीनों मुक़ाबले ड्रॉ रहने से वह खिताब जीतने मे सफल रहे ।

राहुल का टेस्ट टीम में चयन पक्षपात पर आधारित, अश्विन को बनाओ उप कप्तान: पूर्व भारतीय क्रिकेटर

मुंबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने केएल राहुल की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ नागपुर में पहले टेस्ट मैच में उनका चयन 'पक्षपात' पर आधारित था। भारत ने इस मैच में आस्ट्रेलिया को तीसरे दिन ही पारी और 132 रन से हराया। इस मैच के लिए 30 वर्षीय राहुल को बेहतरीन फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल पर प्राथमिकता दी गई। राहुल ने भारत की पहली पारी में 71 गेंदों पर 20 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली।

प्रसाद ने अपने सत्यापित ट्विटर हैंडल पर लिखा, ''राहुल का चयन प्रदर्शन नहीं बल्कि पक्षपात के आधार पर किया गया। उसके प्रदर्शन में लगातार निरंतरता का अभाव रहा है और लगभग आठ साल से ऐसा चल रहा है। उसने अपनी क्षमता को प्रदर्शन में नहीं बदला है।' राहुल का 46 मैचों में टेस्ट औसत 34.07 है और प्रसाद ने उनके टेस्ट रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि क्रिकेट की अच्छी जानकारी रखने वाले रविचंद्रन अश्विन को रोहित शर्मा के साथ टेस्ट टीम का उप कप्तान बनाना चाहिए। प्रसाद ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आठ साल से अधिक का समय बिताने के बाद 46 टेस्ट में 34 का औसत बेहद सामान्य है। मुझे याद नहीं कि इतने अधिक मौके किसी और को दिये गये।'

कई अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं

उन्होंने कहा, ''जबकि कई अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं और शानदार फॉर्म में हैं। शुभमन गिल बेहतरीन फॉर्म में है, सरफराज खान प्रथम श्रेणी मैचों में रनों का अंबार लगा रहा है और कई ऐसे हैं जो राहुल से पहले चयन के हकदार हैं।' प्रसाद ने शनिवार को कई ट्वीट करते हुए लिखा, ''कुछ लोग खुशकिस्मत होते हैं कि उन्हें सफल होने तक अंतहीन मौके दिए जाते हैं जबकि कुछ को ऐसे मौके नहीं मिलते हैं। मैं राहुल की प्रतिभा और कौशल का सम्मान करता हूं लेकिन उनका प्रदर्शन कमतर रहा है।'

अश्विन को उप कप्तान होना चाहिए

राहुल इंडियन प्रीमियर लीग की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान भी हैं और भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच प्रसाद ने दावा किया कि यह भी एक वजह है कि खराब प्रदर्शन के बावजूद वह टेस्ट टीम में बने हुए हैं। प्रसाद ने इसके साथ ही पांच क्रिकेटरों के नाम गिनाए जिन्हें राहुल की जगह टेस्ट टीम का उप कप्तान बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, ''राहुल टीम के नामित उप कप्तान हैं जिससे मामला और बिगड़ जाता है। अश्विन के पास क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ है और उन्हें टेस्ट प्रारूप में उप कप्तान होना चाहिए।' प्रसाद ने कहा, ''यदि वह नहीं तो (चेतेश्वर) पुजारा या (रविंद्र) जडेजा हो सकते हैं। मयंक अग्रवाल ने राहुल की तुलना में टेस्ट में कहीं

बेहतर प्रभाव छोड़ा है और इसी तरह से (हनुमा) विहारी ने भी।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रहस्यमयी कमरुनाग झील

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है। हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है।

भारत का पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश अपने पौराणिक महत्व के साथ-साथ रहस्यों का गढ़ भी माना जाता है। बर्फ की चादर ओढ़े यहां कई ऐसी जगहें मौजूद हैं, जिनका प्राचीन इतिहास अपने अंदर कई गहरे राज्य समेटे हुए है। यही नहीं यहां के कुछ स्थलों की पहचान तो महाभारत काल से की गई है, वहीं कुछ स्थल अब भी रहस्यमयी बने हुए हैं। इन रहस्यों में छिपे अरबों-खरबों के खजाने के राज।

हिमाचल प्रदेश में ऐसी एक झील है, जिसमें अरबों-खरबों का खजाना छिपा हुआ है। हालांकि, अब तक किसी ने इस झील से खजाना निकालने की कोशिश नहीं की है।

हम किसी भूखंड की नहीं, बल्कि हिमाचल में मौजूद एक ऐसी झील की बात करेंगे, जहां अरबों-खरबों का खजाना गढ़े होने की बात कही जाती है। कमरुनाग झील हिमाचल की प्रमुख झीलों में से एक है। यह मंडी घाटी की तीसरी प्रमुख झील है। इस झील का नाम घाटी के देवता कमरुनाग के नाम पर पड़ा है। जहां जून माह में विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। यूं तो दुनियाभर से लोग हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों को देखने के लिए आते हैं। यहां ऐसे कई खूबसूरत नजारें मौजूद है, जिन्हें देखने के बाद विदेशी क्या देसी लोग भी दीवाने हो जाते हैं। मण्डी से करीब 60 किलोमीटर की दूरी पर रोहांडा के घने जंगलों में स्थित कमरुनाग झील में अरबों का खजाना छुपा है। हालांकि झील के गर्भ से अब तक किसी ने इस खजाने को निकालने की हिम्मत नहीं की। इसका कारण बेहद ही चौंकाने वाला है। दरअसल, यहां एक बहुत ही मशहूर मंदिर है और इसी मंदिर के पास कमरुनाग झील है।

जून माह में विशेष महत्व

इस स्थल का जून माह में विशेष महत्व है। दरअसल जून के महीने में यहां एक विशेष मेले का आयोजन होता है। धार्मिक मान्यता है कि प्रतिवर्ष 14-15 जून को बाबा कमरुनाग पूरी दुनिया में दर्शन देते हैं। इस खास मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन को पहुंचते हैं।

मनोकामना के लिए चढ़ाए जाते हैं हीरे-जवाहरात

कहा जाता है कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं, वो इस झील में सोने-चांदी के गहने और रुपये-पैसे डालते हैं। दूर-दूर से आए लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी, नोट, हीरे-जवाहरात चढ़ाते हैं। महिलाएं सोने चांदी के जेवर इस झील को अर्पित कर देती हैं। यह झील आभूषणों से भरी है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसी परंपरा के आधार पर यह माना जाता है कि इस झील में अरबों का खजाना है।

भेंट चढ़ाने का भी निश्चित समय

झील में अपने आराध्य के नाम से भेंट चढ़ाने का भी एक शुभ समय है। जब देवता को कलेबा लगेगा अर्थात भोग लगेगा, तब ही झील में भेंट डाली जाती है।

अरबों का खजाना, फिर भी नहीं सुरक्षा का प्रबंध

झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देव हैं।

फूलों की अनूठी परेड

नीदरलैंड का छोटा-सा शहर है जनडर्ट, भले ही यह शहर आकार और आबादी में छोटा हो, लेकिन यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिसमें पूरे देश के आर्टिस्ट अपने मॉडल के साथ परेड करते हैं और जिनका मॉडल सबसे बेहतर होता है उन्हें प्राइज दिया जाता है।

नीदरलैंड का छोटा-सा कम आबादी वाला शहर है जनडर्ट। यहां राष्ट्रीय स्तर की फ्लावर परेड और प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। ट्यूलिप का मौसम आते ही नीदरलैंड में मानों फूल ही फूल नजर आने लगते हैं। देश का प्रसिद्ध बल्ब फ्लावर सेलिब्रेशन होता है जिसमें हर साल फूलों की परेड निकाली जाती है और यह सिर्फ परेड नहीं होती बल्कि सबसे बेहतर मॉडल तैयार करने का कॉम्पीटिशन भी होता है। यह कॉम्पीटिशन 1936 से ही इसी तरह हर साल आयोजित होती रही है। वैसे तो यह कार्यक्रम सितंबर महीने के फर्स्ट वीक में होता है, लेकिन इसकी तैयारियां मई और जून से ही शुरू हो जाती है। पूरे नीदरलैंड से लोग इसमें हिस्सा लेने तो पहुंचते ही हैं लेकिन जनडर्ट शहर के लोगों के लिए यह किसी फेस्टिवल से कम नहीं होता। इसमें हर एज ग्रुप के लोग चाहे बच्चे हों या बूढ़े, बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

कैसे होती है तैयारियां

- मॉडल्स वायर, कार्डबोर्ड और हजारों डहेलिया फूलों से तैयार किए जाते हैं, जो खासतौर से परेड के लिए उगाए जाते हैं।
- फूलों से जो मॉडल तैयार किए जाते हैं उसकी पहली शर्त होती है कि वो कलरफुल और ब्राइट होने चाहिए। साथ ही जो फूल मॉडल के ऊपर लगाए जाते हैं वो तीन दिन पहले लगाए जाने चाहिए उससे पहले नहीं।
- मॉडल के ऊपर डहेलिया लगाने के काम में हजारों वॉलेंटियर दिन-रात काम करते हैं।
- सबसे बेहतरीन मॉडल चुनने के लिए ज्यूरी होती है जो विनर का नाम सिलेक्ट करती है।

फूल उगाना बुजुर्गों का काम

मॉडल को तैयार करने के लिए अलग-अलग रंगों के सिर्फ डहेलिया फूलों को ही यूज करते हैं। फूलों को उगाने का काम जहां बुजुर्ग करते हैं वहीं यंगस्टर्स मॉडल की डिजाइनिंग और उसके कंसेप्ट पर काम करते हैं। यानी हर उम्र के लोग इस फेस्टिवल का हिस्सा बनते हैं।

एक तरह का छलावा है थ्री डी आर्ट

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे।

सालों पहले जब थ्री डी मूवीज थियेटर्स में आई थीं तब स्पेशल चश्मे से उन्हें देखने वाले दर्शक किसी जादू की तरह फील करते थे। जैसे जादू आंखों का धोखा है ठीक वैसे ही थ्री डी आर्ट भी एक तरह का छलावा है। यानी यहां जो जैसा दिखता है वो जरूरी नहीं कि वैसा ही हो। दुनियाभर में आज इस आर्ट को लेकर कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, पेपर और अन्य माध्यमों में थ्री डी आर्ट को प्रस्तुत किया जा रहा है। चलो इस दुनिया की सैर करते हैं।

जादू भरी करामात

थ्री डी आर्ट के मामले में असल चीज आर्टिस्ट की कल्पना ही है। इसी पर सारा जादू डिपेंड करता है। असली रंग, पेपर और मूर्तिकला के सामान के साथ ये आर्टिस्ट अनोखा संसार रच डालते हैं। जैसे किसी सड़क के बीच में बहती असली सी नदी या पेपर के एक टुकड़े पर रेंग रहा सांप। इसमें चीजों का एंगल जादू क्रिएट करने का काम करता है। यानी सामान्य पेंटिंग्स को भी कलाकार ऐसे एंगल के साथ प्रस्तुत करते हैं कि वो लाइव और एक्शन में दिखाई देता है। प्रस्तुत हैं ऐसे कुछ आर्टिस्ट-

चॉक से खड़ी तस्वीरें

लियोन कीर एक ऐसे थ्री डी आर्ट के महारथी हैं जो अपनी कला के जरिए लोगों तक पर्यावरण के संरक्षण से लेकर आम जीवन में भी इमोशंस को बनाए रखने का सन्देश पहुंचाते रहते हैं। नीदरलैंड के रहने वाले लिओन देश-विदेश में कई जगह टू डी और थ्री डी स्ट्रीट आर्ट को प्रेजेंट कर चुके हैं। सैनिकों के वेश में बच्चों के खिलौने लेगो सिटी के जैसी भी आकृतियां उन्होंने बनाई जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। चॉक से बनाई गई यह लेगो टेराकोटा आर्मी एक इंटरनेशनल चॉक फेस्टिवल का हिस्सा रही है।

इनकी क्रिएटिविटी ने रचा इतिहास

जोए हिल और मैक्स लॉरी, थ्री डी आर्ट की फील्ड में एक ऐसा नाम बन गए हैं जिनकी पेंटिंग गिनीज बुक में भी शामिल की जा चुकी है। इतिहास रचने वाली ये पेंटिंग सबसे लम्बी और सबसे बड़ी पेंटिंग के तौर पर गिनीज बुक में शामिल हुई। ये दोनों ब्रिटिश आर्टिस्ट पिछले लगभग 10 सालों से इस फील्ड से जुड़े हैं। परियों की कहानियों से लेकर प्रिंस विलियम की शादी, निंजा टर्टल जैसे सुपर कैरेक्टर्स और असली दिखने वाले वॉटरफॉल जैसी कई आकृतियां ये दोनों दुनियाभर में घूम कर रचते रहे हैं। इसके अलावा वो कई सारे एड और मूवी प्रोजेक्ट्स के साथ भी जुड़े हुए हैं।

राजा की परेशानी

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

एक छोटा सा राज्य था। कुल दस-पांच हजार की आबादी रही होगी। जब राज्य था, आबादी थी, तो एक राजा भी था। भले ही छोटा राजा। वैसे भी जब राज्य था, तो सेना, मंत्री, सभासद भी थे।

इस राज्य में पहले अदालतें भी थीं। लेकिन वहां का राजा और प्रजा सभी शांतिप्रिय थे। कभी किसी से किसी का लड़ाई-झगड़ा नहीं होता था। इसलिए फिजूलखर्ची समझ अदालतें बंद कर दी गईं। अपने पड़ोसी राज्यों से राजा के बड़े मित्रतापूर्ण संबंध थे। इसलिए सेना के नाम पर केवल सौ-सवा सौ सैनिक थे। किसी के भी पास तलवार-बंदूकें नहीं थीं। सबके हाथ में बस एक बेंत रहती थी। शांति बनाए रखने के लिए इतना काफी था।

एक बार राजा एक विचित्र परेशानी में फंस गया। राज्य में पहली बार एक व्यक्ति किसी के घर में चोरी के लिए घुसा। संयोग से वहां मारपीट हो गई। चोर के हाथों एक व्यक्ति मारा गया। सैनिक चोर को पकड़कर राजा के पास ले गए।

राजा ने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। विचार होने लगा कि चोर को क्या सजा दी जाए? चोर के हाथों एक व्यक्ति की हत्या हुई थी। काफी विचार होने के बाद भी कुछ तय नहीं हो सका। इससे पहले ऐसा अपराध किसी ने किया भी नहीं था। इसी से किसी की समझ में कुछ नहीं आ रहा था कि उसे क्या सजा दी जाए?

अचानक एक मंत्री बोला, महाराज, पड़ोस के राज्य में अदालतें हैं। जरूर वहां इस तरह के मामले आते होंगे। क्यों न इस चोर को दंड के निर्णय के लिए वहीं भेज दिया जाए।

राजा को यह सुझाव जंच गया। चोर को वहां भेजकर पड़ोसी राजा से एक फैसला लेने की प्रार्थना की गई। राजा की परेशानी टल गई। लेकिन दो दिन बाद ही चोर के साथ राजा की परेशानी फिर लौट आई। पहले से बड़ी होकर। वहां की अदालत ने फैसला दिया, 'चूंकि इस चोर ने हत्या की है। इसलिए इसका सिर कलम कर दिया जाए।'

अब राजा के यहां कोई जल्लाद नहीं था। सैनिकों से कहा गया, तो उन्होंने साफ जवाब दे दिया, हमने किसी की इस तरह हत्या करना नहीं सीखा है। फिर हम इसके लिए रखे भी नहीं गए हैं। हमारे पास एक तलवार क्या, चाकू तक नहीं है।

राजा ने परेशान होकर फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। कई दिनों तक विचार मंथन हुआ। अंत में सब लोग इस नतीजे पर पहुंचे कि क्यों न इस चोर की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया जाए। राजा की परेशानी फिर टल गई।

मगर राज्य में कोई जेल नहीं थी, जहां सजा पाए अपराधी को रखा जाए। इसलिए एक कोठरी बनवाई गई। चोर को उसमें रखा गया। एक पहरेदार नियुक्त किया गया। वह चोर की निगरानी करता था। राजमहल से उसके लिए भोजन भी ले आता था।

राज्य की आमदनी बहुत मामूली थी। राजा के लिए इस पहरेदार का खर्च उठाना भारी पड़ गया। अब इस परेशानी से कैसे मुक्ति मिले? राजा ने फिर मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। तय हुआ कि पहरेदार को हटा लिया जाए। चोर जहां जाना चाहे जाए। इस मुसीबत से छुटकारा पाने का यही एक उपाय था। अगले दिन चोर की नींद खुली, तो उसने देखा कि वहां पहरेदार नहीं था। दरवाजे भी खुले हुए थे। जब कोई और उसका भोजन लेकर नहीं आया, तो वह स्वयं थाली लेकर राजमहल पहुंच गया। फिर तो उस का रोज का यही काम हो गया। राजभवन से भोजन ले आता। फिर खा-पीकर चैन की नींद सो जाता। इस खर्च से राजा की परेशानी फिर बढ़ गई। उसने चोर को कहलवाया, अब तुम आजाद हो। जहां चाहो, भाग जाओ। कोई कुछ नहीं बोलेगा।

मगर चोर ने जवाब दिया, मैं भागकर अब कहां जाऊं? लोग मुझे देखते ही गालियां देंगे। मुझे मारने दौड़ेंगे। मुझे मौत की सजा क्यों नहीं दी गई?

राजा की परेशानी बढ़ी, तो उसने फिर मंत्रियों से सलाह ली। मंत्रियों ने सोच-विचारकर कहा, महाराज, इस का भोजन-पानी बंद कर दीजिए। भोजन नहीं मिलेगा, तो स्वयं कहीं निकल जाएगा। लेकिन चोर भी जाने को तैयार नहीं हुआ। वह भूखा-प्यासा ही रहने लगा। चोर ने लोगों से गुहार लगाई। वहां के लोगों को लगा कि उस व्यक्ति को इस तरह भूखा रखना तो सचमुच राजा का अन्याय है। उन्होंने राजा से इस बारे में पूछा। राजा ने स्वयं की परेशानी बताई।

बहुत सोच-विचार के बाद लोगों ने राजा से कहा, राजन, एक उपाय है। इस चोर को भोजन देने में आपको कोई आपत्ति नहीं होगी। इसने गैर इरादतन जो हत्या की है, उसका प्रायश्चित भी हो जाएगा। लोग इसका सम्मान भी करेंगे।

वह क्या? राजा ने प्रसन्नता से पूछा।

राजन, पिछले दो साल हमारे यहां अच्छी वर्षा नहीं हुई। इससे मार्गों के किनारे लगे अधिकांश वृक्ष सूख गए। जनता को यात्रा में बड़ा कष्ट होता है। आप इससे मार्गों के किनारे छायादार और फलों वाले वृक्ष लगवाएं। उसके बदले इसे रोजी-रोटी मिलेगी और पूरे राज्य का भला होगा। प्रजा भी इसको यह नेक काम करते देख, गालियां नहीं देगी। इसका आदर करेगी। इसके मन में भी फिर कभी अपराध न करने की भावना पैदा होगी।

राजा और उसका मंत्रिमंडल इस सुझाव से पूरी तरह संतुष्ट हुए। चोर को भी अच्छा लगा। काम मिला, रोटी मिली, लोगों का प्यार मिला। राजा को भी एक बड़ी परेशानी से मुक्ति मिल गई।

ज़रूरत से ज़्यादा गैस का इस्तेमाल करने पर पुलिस व इंटेलिजेंस एजेंसियों को करें शिकायत : जवाद ओउजी

–ईरान के पास है नेचुरल गैस का भंडार, फिर भी भारी किल्लत

तेहरान । कोई भी शख्स अगर ज़रूरत से ज़्यादा गैस का इस्तेमाल करते पाया गया, तो उसकी शिकायत पुलिस और इंटेलिजेंस एजेंसियों से की जा सकती है। यह एक अजीबोग़रीब फ़रमान ईरान के तेल मंत्री जवाद ओउजी ने जारी किया है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि जो लोग गैस का इस्तेमाल ज़रूरत से अधिक कर रहे हैं, उनके गैस कनेक्शन काट दिए जाएंगे। खुद गैस के एक बड़े भंडार पर बैठाकर ईरान अपने ही नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में इसकी सप्लाई नहीं कर पा रहा है, लिहाज़ा इस कड़ाके की ठंड में ये एक बड़ा संकट बनकर उभरा है। ईरान के कट्टरपंथी राष्ट्रपति इब्राहीम रईसी को पहले ही बीते कई महीनों से सरकार विरोधी प्रदर्शनों का सामना करना पड़ रहा है। अब इस नए मुद्दे ने उनकी मुसीबतों में और इजाफ़ा कर दिया है।

पंज तीरथ से जुड़े मामले में पाकिस्तानी अदालत ने शीर्ष अधिकारी को तलब किया

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी अदालत ने एक पार्क और ऐतिहासिक हिंदू धार्मिक स्थल पंज तीरथ से जुड़े भूमि सीमांकन मामले में दलीलें सुनने के बाद सरकार के एक शीर्ष अधिकारी को तलब किया है। पंज तीरथ को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा की प्रांत की सरकार ने 2019 में राष्ट्रीय विरासत स्थल घोषित किया था। पांच कुंड होने के कारण इसका नाम पंज तीरथ पड़ा है। इस विरासत स्थल पर दो मंदिर, और एक द्वार है, जिसकी स्थिति जर्जर है और उस पुरातात्विक संरक्षण की जरूरत है। इसकी ज्यादातर जमीन 'चाचा यूनस फैमिली पार्क की मिल्कियत में है, जबकि पार्क के मालिक भवनों का इस्तेमाल गोदाम के तौर पर करते हैं। पेशावर उच्च न्यायालय की दो सदस्य पीठ ने मामले में दलीलें सुनकर पेशावर शहर के उपायुक्त को तलब किया। खैबर पख्तूनख्वा के पुरातत्व विभाग के निदेशक अब्दुस समद खान, अतिरिक्त महाधिवक्ता सिकंदर हयात शाह और औकाफ विभाग के अधिकारी अदालत में पेश हुए। उन्होंने कहा कि मामले से संबंधित कुछ समस्याओं को हल कर लिया गया है, लेकिन भूमि सीमांकन का मुद्दा अनसुलझा है। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, पंज तीरथ का कुल क्षेत्र करीब 14 कनाल (1.75 एकड़) और सात मरला (0.04 एकड़) है। हालांकि, इसका ज्यादातर हिस्सा 'चाचा यूनस फैमिली पार्क' का हिस्सा है, जिसे जिला प्रशासन ने पट्टे पर दिया था। समद ने कहा, पार्क प्रशासन पुरातत्व विभाग को सिर्फ एक कनाल (0.125 एकड़) और 11 मरला देना चाहता था, जबकि हमारे पुरातत्व स्थल में पांच कनाल (0.625 एकड़) और 11 मरला (0.06 एकड़) शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि पार्क प्रशासन ने अधिकारियों को पार्क के रास्ते से मंदिर में प्रवेश नहीं करने दिया। औकाफ विभाग के अधिकारी ने कहा, हमें पार्क और पुरातात्विक स्थल के बीच भूमि सीमांकन से संबंधित अन्य समस्याओं को हल के लिए और वक्त चाहिए। इसमें पंज तीरथ मंदिर भी शामिल है। पंज तीरथ 1947 से पहले पेशावर में एक महत्वपूर्ण हिंदू तीर्थ स्थल था।

अमेरिका ने मिसाइल से मार गिराई 40000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रही कार जैसी संदिग्ध चीज

वॉशिंगटन । चाइनीज खुफिया गुब्बारे को मार गिराने के बाद अमेरिकी युद्धक विमान ने आसमान में उड़ रही एक और नई वस्तु को मार गिराया है। यह संदिग्ध वस्तु अलास्का में 40,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रही थी। इसका आकार पिछले जासूसी गुब्बारे से कम था। यह दिखने में एक छोटी कार जैसी थी। अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि यह अज्ञात वस्तु क्या है और इसका उद्देश्य क्या था। व्हाइट हाउस ने बताया कि एक अमेरिकी लड़ाकू विमान ने शुक्रवार को अलास्का के ऊपर एक अज्ञात वस्तु को मार गिराया है। चीनी जासूसी गुब्बारे के गिरने के ठीक छह दिन बाद इस तरह की दूसरी वस्तु आसमान में दिखी है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के आदेश के बाद इसे शूट–डाउन कर दिया गया। व्हाइट हाउस राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं था कि नई वस्तु का उद्देश्य या उत्पत्ति क्या थी, लेकिन यह नागरिक उड्डयन के लिए खतरा था। यह वस्तु एक विशाल चीनी गुब्बारे से बहुत छोटी थी जो पिछले सप्ताह संयुक्त राज्य अमेरिका में मडरा रहा था, जिसे 5 फरवरी को अटलांटिक तट से एक अमेरिकी लड़ाकू जेट द्वारा नीचे गिराया गया था। पेंटागन के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल पैट राइडर ने कहा कि एक एफ–22 रैप्टर ने वस्तु को नीचे लाने के लिए एआईएम–9एक्स मिसाइल का इस्तेमाल किया। यही विमान और गोला–बारूद कथित चीनी जासूसी गुब्बारे को निशाना बनाने के लिए भी इस्तेमाल किया गया था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के गुब्बारे 40 से अधिक देशों में उड़ चुके हैं, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्र भी शामिल है।

लियोनाडरे नही कर रहे किसी के साथ डेटिंग

–19 साल की इजरायली मॉडल के साथ थी डेटिंग की चर्चा

लॉस एंजेलिस । 19 साल की इजराइली मॉडल ईडन पोलानी के साथ हॉलीवुड स्टार लियोनाडरे डिकैप्रियो डेटिंग नहीं कर रहे हैं। अभिनेता के करीबी सूत्रों ने पुष्टि की कि यह जोड़ी किसी भी तरह के रिश्ते में नहीं है। हाल ही में उन दोनों को एक पार्टी में एक साथ देखा गया था तब से ही अफवाहे चल रही थी1 जानकारी के मुताबिक, वे एक संगीत कार्यक्रम में एक–दूसरे के बगल में बैठे थे। उस कार्यक्रम में कई लोग थे। हालांकि, उन्होंने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की कि क्या दोनों के बीच कभी कोई रोमांटिक संबंध रहा है। लॉस एंजिल्स में 31 जनवरी को नए ईपी के लिए एबोनी रिले की रिलीज पार्टी में लियो डिकैप्रियो और ईडन पोलानी के एक साथ फोटो खिंचवाने के बाद डेटिंग अफवाहें सामने आई थी। कुछ तस्वीरों में, डोन्ट लुक अप अभिनेता को मॉडल के बगल में एक हल्की मुस्कान बिखेरते हुए देखा जा सकता है। लियो और ईडन की तस्वीरों के ऑनलाइन होने के बाद, कुछ ट्विटर आलोचकों ने उनकी खिंचाई की। एक व्यक्ति ने लिखा, लियोनाडरे डिकैप्रियो की प्रेमिका इतनी कम उम्र की है कि उसका हाई स्कूल कोविड–19 के चलते बंद हो गया था। किसी और ने टिप्पणी की:- लियोनाडरे डिकैप्रियो के लगभग 50 लड़कियों के साथ डेटिंग करने के बारे में मजाक करना बंद करें और उन्हें कुछ और नहीं बल्कि एक प्रीडेटर बुलाएं। दिसंबर 2022 में लॉस एंजिल्स सोशल क्लब छोड़ने के बाद लियो के लोरेंजो लामास की बेटी विक्टोरिया के साथ डेटिंग की अफवाह थी।

पैसा सबकुछ नहीं, 27 साल बाद अपने जैविक माता–पिता के पास लौटा शख्स

–अरबपति दंपत्ति को छोड़कर गरीब माता–पिता के पास लौटा

बीजिंग । बचपन में किडनैप हुआ एक शख्स 27 साल की उम्र में अपने जैविक माता–पिता के पास लौट आया। एक अरबपति दंपत्ति ने बच्चे को गोद ले लिया था। लेकिन युवक का कहना है कि पैसा सबकुछ नहीं है। हालांकि, शख्स के जैविक माता–पिता भी काफी अमीर हैं। युवक, 25 साल पहले करीब दो साल की उम्र में किडनैप हुआ था। शख्स की पहचान मेई झिकियांग के तौर पर हुई है। वहां चीन का रहने वाला है। असली परिवार के पास लौटने के बाद मेई ने इस मामले में पहली बार खुलकर बात की। साल 1997 में मेई तब 28 महीने के थे, जब उन्हें चीन के युन्नान प्रांत से किडनैप कर लिया गया। वह अपने घर के बाहर खेल रहे थे। जब उनके माता–पिता को पता चला कि वह लापता हो गए हैं, तब उन्होंने उनकी खोज शुरू की। जो दो दशक तक जारी रही। उनके पिता ने बताया कि ऐसा लगा मानो दो पागल अपने बच्चे को ढूंढ रहे हों। उनकी तलाश बीते साल जून महीने में खत्म हुई, जब उनके एक दोस्त ने उन्हें मेई के साथ डीएनए टेस्ट करने के लिए कहा। इस दोस्त का बेटा भी 12 साल पहले लापता हो गया था। मेई उन्हें गोद लेने वाले परिवार के साथ रह रहे थे। मेई ने बताया मानव तस्करों ने उन्हें एक परिवार को बेच दिया था। चूंकि वह बहुत पतले और छोटे थे, तब इस परिवार ने उन्हें एक अमीर परिवार को सौंप दिया। जिन्होंने उनकी परवरिश की। मेई का कहना है कि उन्हें गोद लेने वाले माता–पिता के पहले से तीन बच्चे थे। दो बेटियां उम्र में उनसे बड़ी थीं और एक बेटा उनसे छोटा था।

तुर्की के हताय में बचावकर्ता 20 दिन के बच्चे केरेम अगिरतस को ले जाते हुए, जिसे एक घातक भूकंप के बाद मलबे के नीचे से निकाला गया था।

तुर्की में कइयों के लिए देवदूत बना एनडीआरएफ का डॉग स्क्वाड, मलबे में खोज निकाली जिंदगियां

अंकारा । केंद्र सरकार ने भूकंप पीड़ितों की सहायता के लिए बिना देर किए तुर्की की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। भारत सरकार ने छह विमानों से एनडीआरएफ की टीम, चिकित्सा कर्मियों की बड़ी टीम, दवाएं और अन्य जरूरी वस्तुओं के साथ प्रशिक्षित डॉग स्कवॉड भी भेजा है, जो तुर्की में भूकंप से तबाह हुई इमारतों के मलबे में दबी जिंदगियों का पता लगाने में लगा हुआ है। सेना और एनडीआरएफ के करीब 150 से अधिक सदस्य इस वक्त तुर्की में लोगों की जान बचाने में जुटे हुए हैं। वहीं उनके साथ 6 प्रशिक्षित कुत्ते भी लोगों को मलबों में ढूंढ रहे हैं। तुर्की में आए भूकंप के बाद जैसे जैसे समय बीता जा रहा है। जिंदगी बचाने की जद्दोजहद में ऐसे खोजी श्वान यानी रेस्क्यू डॉग की अहमियत और ज्यादा बढ़ती जा रही है। तुर्की के नोरदाग इलाके में मलबे में दबे लोगों को एनडीआरएफ के खोजी श्वान खोज रहे हैं। एनडीआरएफ के कुल 6 खोजी श्वान अभी राहत और बचाव कार्य को अंजाम दे रहे हैं। एनडीआरएफ के जवानों ने एक 6 साल की बच्ची का रेस्क्यू करने के बाद 8 साल की बच्ची को मलबे से सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता पाई है। हैरानी की बात यह है कि बच्ची 4 दिन बाद मलबे से जिंदा निकली है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक एनडीआरएफ की टीम तुर्की सेना के जवानों के साथ गाजियांटेप प्रांत के नूरदगी शहर में अपना बचाव अभियान चला रही है।

सिर्फ पीएम मोदी ही मना सकते हैं पुतिन को: जॉन किर्बी

–रूस–यूक्रेन महायुद्ध पर अमेरिका ने जारी किया नया बयान

वाशिंगटन। (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन युद्ध को एक साल होने वाला है। 24 फरवरी से रूस और यूक्रेन के बीच महायुद्ध चल रहा है। यूक्रेन और रूस के बीच जंग को लेकर अब अमेरिका ने नया बयान जारी किया है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी से जब पूछा गया कि दोनों देशों के बीच युद्ध कैसे रोका जा सकता है तो उन्होंने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्य को कर सकते हैं। वह पुतिन को इसके लिए मना सकते हैं। मालूम हो कि इस महाविनाशकारी युद्ध में हजारों लोगों की जान जा चुकी है। लाखों की संख्या में लोग बेघर हो गए और अरबों-खरबों की संपत्ति का नुकसान हो चुका है। यूक्रेन के खूबसूरत शहर श्मशान घाट में बदल गए हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के किसी भी प्रयास का स्वागत करेगा, जिससे यूक्रेन में शत्रुता समाप्त हो सकती है।

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि हमें लगता है कि युद्ध आज खत्म हो सकता है और होना भी चाहिए। व्हाइट हाउस का यह बयान काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के एक दिन बाद यह बयान आया है। किर्बी ने कहा कि यूक्रेनी लोगों के साथ जो हो रहा है उसके लिए एकमात्र जिम्मेदार व्यक्ति व्लादिमीर पुतिन हैं और वह इसे अभी रोक सकते हैं। इसके बजाय वह क्रूज मिसाइलों से यूक्रेन में ऊर्जा और बिजली के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर रहे हैं। मालूम हो कि रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की से कई बार बात की है। उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मौके पर पीएम मोदी ने पुतिन से कहा था कि मैं जानता हूं कि आज का युग युद्ध का नहीं है। हमने इस मुद्दे पर आपके साथ कई बार फोन पर चर्चा की कि लोकतंत्र, कूटनीति और संवाद पूरी दुनिया को छूते हैं।

अमेरिका व फ्रांस ने की थी पीएम मोदी की जमकर तारीफ

अमेरिका और फ्रांस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की थी। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा था कि पीएम मोदी ने समरकंद में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से जो कहा, वह पूरी तरह से सही था। अमेरिका इस बयान का स्वागत करता है। वहीं फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यूएनजीए में कहा था कि पीएम मोदी ने समरकंद में सही कहा था कि ये समय युद्ध का नहीं है। पश्चिम से बदला लेने का या पूर्व के खिलाफ पश्चिम का विरोध करने का नहीं है। यह हमारे जैसे संप्रभु राष्ट्रों के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने का समय है।

भारत अफ़ग़ानिस्तान के लोगों के साथ हमेशा खड़ा रहेगा : अजित डोभाल

मॉस्को (एजेंसी)। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल का यह बयान मॉस्को में अफ़ग़ानिस्तान पर हुई सुरक्षा वार्ता के बाद आया। रूस में मौजूद भारतीय दूतावास ने इस वार्ता के बारे में एक ट्वीट में बताया कि एनएसए अजित डोभाल ने अफ़ग़ानिस्तान पर सुरक्षा वार्ता के पांचवें संस्करण में हिस्सा लिया। उन्होंने बैठक में इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत अफ़ग़ानिस्तान के लोगों का साथ कभी नहीं छोड़ेगा। सात से नौ फ़रवरी के बीच यह बैठक मॉस्को में आयोजित हुई। भारत के एनएसए अजीत डोभाल ने इस यात्रा के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाक़ात की। ट्वीट में बताया गया कि बैठक के दौरान ख़ास तौर पर अफ़ग़ानिस्तान की सुरक्षा स्थिति, वहां के नागरिकों के कल्याण और उनकी मानवीय ज़रूरतों पर चर्चा हुई। बैठक में भारत और मेज़बान देश रूस के प्रतिनिधियों के अलावा ईरान, कज़ाख़स्तान, कीर्गिस्तान, चीन, तज़ाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज़्बेकिस्तान के प्रतिनिधि शामिल हुए. लेकिन अफ़ग़ानिस्तान का पड़ोसी देश पाकिस्तान इस बैठक में शामिल नहीं हुआ।

गुब्बारे को नष्ट करने से अमेरिका से नाराज ड्रैगन, फोन पर नहीं की बात

इस्लामाबाद (एजेंसी) बीजिंग (ईएमएस)। चीनी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने चीनी गुब्बारे को अमेरिका द्वारा नष्ट करने के बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से फोन पर बात करने से इनकार कर दिया, क्योंकि अमेरिका ने वार्ता के लिए ''उचित माहौल'' तैयार नहीं किया था। इस बीच, अमेरिका ने चीन के निगरानी गुब्बारा कार्यक्रम का खुलासा करने के लिए अपने मित्रों एवं सहयोगियों, खासकर अपने 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) सहयोगियों, ऑस्ट्रेलिया, भारत एवं जापान के साथ अपने राजनयिक प्रयास तेज कर दिए है।

चीन रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता तान केफेई ने अमेरिका द्वारा गुब्बारा नष्ट करने के बीच, एक बयान में कहा कि अमेरिका के कदम ने ''अंतरराष्ट्रीय मानदंडों का गंभीर उल्लंघन किया और एक विनाशकारी मिसाल कायम की। तान ने कहा, ''अमेरिका के इस गैरजिम्मेदार और पूरी तरह गलत दृष्टिकोण ने दोनों सेनाओं के बीच बातचीत और आदान-प्रदान के लिए उचित माहौल नहीं बनाया तथा इसकारण चीन ने दोनों रक्षामंत्रियों के बीच फोन कॉल के अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया।'' बीजिंग ने कहा कि अमेरिका ने गुब्बारे को नष्ट करके जरूरत से ज्यादा कार्रवाई की''। इस कार्रवाई को गैर-जिम्मेदाराना'' करार दिया। इस बीच अमेरिकी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि चीन के गुब्बारा निगरानी कार्यक्रम से अमेरिका समेत कम से कम 40 देश प्रभावित हुए हैं, लेकिन उन्होंने उन देशों के नाम बताने से इनकार कर दिया, जहां अब तक ये गुब्बारे दिखाई दिए हैं।

इमरान कर रहे बाजवा के खिलाफ जांच की मांग

–पीटीआई सरकार गिराने की साजिश में शामिल होने का आरोप

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अब पूर्व आर्मी चीफ रिटायर्ड जनरल कमर जावेद बाजवा के खिलाफ आंतरिक सैन्य जांच की मांग कर रहे हैं। इमरान का आरोप है कि बाजवा पीटीआई सरकार को गिराने की साजिश में शामिल थे। पिछले साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के बाद सत्ता से बेदखल हुए इमरान खान ने इससे पहले अमेरिका पर भी इसी तरह के आरोप लगाए थे। अब उनके निशाने पर पूर्व पाक आर्मी चीफ हैं। पाकिस्तानी अखबार के अनुसार, इमरान खान ने वॉइस ऑफ अमेरिका उर्दू को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि पीएमएल-एन, पीडीएम और फौज सभी एक तरफ हैं। उन सभी ने मिलकर हमारी सरकार गिराई और अब जनरल बाजवा ने एक पत्रकार को दिए इंटरव्यू में सत्ता परिवर्तन की बात स्वीकार कर ली है। इमरान खान ने दावा किया कि पूर्व आर्मी चीफ की बनाई कुछ

नीतियां अभी भी जारी हैं। एक दिन पहले बाजवा ने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि उनका अपराध इमरान की सरकार को बचाने के लिए आगे ना आना था। उन्होंने कहा कि पीटीआई के लोग देश के लिए खतरनाक हैं। इमरान ने इस इंटरव्यू का जिक्र करते हुए कहा कि अब बाजवा ने खुद स्वीकार कर लिया है कि उन्होंने सत्ता परिवर्तन में हिस्सा इसलिए लिया था क्योंकि उनके मुताबिक देश खतरे में था। बाजवा की ओर से राजनीति में सेना की भागीदारी को स्वीकार करने के बारे में पूछे जाने पर इमरान ने कहा कि बाजवा के खिलाफ उन बयानों के लिए एक आंतरिक सैन्य जांच होनी चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैंने देश के लिए फैसले लिए क्योंकि परिस्थितियां वैसी थीं, जैसे वह कोई आर्थिक विशेषज्ञ हों। इमरान यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि पूरा मुल्क पहले ही यह बात मानता है कि बाजवा की वजह से देश में सत्ता परिवर्तन हुआ था। अब उन्होंने खुद यह बात स्वीकार कर ली है। अब साफ हो गया है कि आर्मी चीफ ने ही पीटीआई सरकार को हटाया था। पाकिस्तानी पत्रकार जावेद चौधरी ने दावा किया कि जब उन्होंने पूर्व पाक आर्मी चीफ से पूछा कि आपने इमरान खान को सत्ता से बाहर क्यों किया तो उन्होंने कहा कि हमने सरकार नहीं गिराई। हमारा अपराध सिर्फ यह था कि हमने उसे नहीं बचाया। इमरान चाहते थे कि हम आगे आएं और उनकी सत्ता को बचाएं। मालूम हो कि एक वक्त था जब पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व आर्मी चीफ रिटायर्ड जनरल कमर जावेद बाजवा अच्छे दोस्त थे। एक तरफ जहां बाजवा ने इमरान खान को सत्ता हासिल करने में मदद की, तो वहीं इमरान ने उन्हें सेवा विस्तार देकर अपनी दोस्ती निभाई। समय के साथ ना सिर्फ यह दोस्ती कमजोर हुई बल्कि अब दुश्मनी में बदल चुकी है।

तुर्की भूकंप में एक भारतीय नागरिक की हुई मौत, होटल के मलबे के नीचे मिली लाश

अंकारा । मलत्या के एक होटल के मलबे से शनिवार को एक भारतीय नागरिक का शव बरामद किया गया। तुर्की में भारतीय दूतावास ने बताया कि विजय कुमार के रूप में पहचाने जाने वाले एक भारतीय नागरिक का शव तुर्की में कई भूकंपों के आने के कुछ दिनों बाद मिला था। तुर्की में भारतीय राजदूत वीरेंद्र पॉल ने शनिवार को कहा कि वर्तमान में तुर्की में लगभग 3,000 भारतीय मौजूद हैं। और उनमें से कई भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में नहीं हैं, जबकि कई बाहर चले गए हैं। उन्होंने कहा कि दो दशकों में देश के सबसे घातक भूकंप के बाद अब तक भारतीयों के फंसे होने की कोई सूचना नहीं है। पॉल ने आगे चल रहे खोज और बचाव अभियान के बारे में जानकारी दी जो भारतीय सेना और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) द्वारा चलाया जा रहा है। 'स्थिति बहुत गतिशील है, हर रोज नई आवश्यकता सामने आती है। जहां तक भारत का सवाल है, हम यहां के लोगों की जरूरतों के प्रति जवाबदेह बने हुए हैं।

भारत के इशारे पर पाकिस्तान का लोन रुक गया ! पैर पकड़े फिर भी कर्ज दिए बिना ही आईएमएफ वापस लौटा

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान एक बिलियन डॉलर लोन मिलने का सपना देखता रह गया। लेकिन आईएमएफ की टीम लोन दिए बिना पाकिस्तान छोड़कर चली गई। शहबाद एंड कंपनी ने 10 दिनों का इंतजार किया। आईएमएफ के इशारे पर एक-एक डॉक्यूमेंट, सारा बहीखाता सबकुछ चेक करवाया। लेकिन इसके बाद भी आईएमएफ के साथ डील फाइनल नहीं हुई और यही एग्रीमेंट पाकिस्तान की दुखती रग बन गया है। पाकिस्तान का पैसा लगातार कम हो रहा है। शहबाज सरकार की फाइनेंस मिनिस्ट्री को अब भी उम्मीद है कि उन्हें जल्द पैसा मिल सकता है। पाकिस्तान को सात बिलियन डॉलर यानी करीब 57 हजार करोड़ रुपये का लोन मिलना था। 10 दिनों तक आईएमएफ की टीम ने पाकिस्तान की फाइनेंसियल कंडीशन को चेक किया। इसके बाद उन्होंने एक मेमोरेंडम दिया। जिनमें वो शर्तें लिखी गई हैं जिनके पूरा होने पर पाकिस्तान को लोन मिल पाएगा।

लोन दिए बिना वापस लौटा आईएमएफ

आईएमएफ का मेमोरेंडम अपने आप में गुलामी की जंजीर है। अब पाकिस्तान लोन ले या फिर लोन लेने से मना करे। दोनों ही हालत में बर्बादी तो तय है। पाकिस्तान के फाइनेंस मिनिस्टर इशाक डार ने आवाम के सामने आईएमएफ का मेमोरेंडम ऐसे पेश किया जैसे मानों उनकी सरकार कोई जंग जीत कर आई हो। आईएमएफ ने सिर्फ 170 अरब रुपए के टैक्स लगाने की सिफारिश की है। मतलब साफ है कि पाकिस्तान अगर 170 अरब रुपए के नए टैक्स लगाएगा तब जाकर आईएमएफ लोन देने के बारे में विचार करेगा। आईएमएफ की टीम ने इस्लामाबाद में कुछ भी खुलासा करने से इनकार कर दिया। उनका दावा है कि वो वाशिंगटन जाकर अपने हेडक्वार्टर से डील को फाइनल करवाएंगे और उससे पहले कुछ भी नहीं कहा जा सकता है।

भारत की वजह से नहीं मिला लोन?

मौजूदा हालात देकखर वहां की आवाम को लग रहा है कि शहबाज सरकार ने मानों कोई तैयारी ही नहीं की थी। अक्सर ऐसे मौकों पर आईएमएफ की टीम एक स्टॉफ लेवल एग्रीमेंट करती है, जिसे दोनों पार्टियों का समझौता माना जाता है। अब इस्लामाबाद में हर घंटे संकट बढ़ रहा है। एक तो समझौता

हुआ नहीं। इसके साथ ही पाकिस्तान का फॉरेन रिजर्व लगातार नीचे जा रहा है। पाकिस्तान अपनी गलतियों की वजह से आईएमएफ की मिन्नतें कर रहा है। लेकिन पाकिस्तानियों ने इसमें भी हिन्दुस्तान का एंगल तलाश कर लिया। आजकर इस्लामाबाद से वाशिंगटन तक एक ही मैसेज चल रहा है। पाकिस्तानी एक्सपर्ट चीख-चीख कर बता रहे हैं कि हिन्दुस्तान की वजह से पाकिस्तान को लोन नहीं मिला। टीवी पर पाकिस्तानी एक्सपर्ट को ये कहते सुना गया कि मैं आपको गारंटी से कह सकता हूं कि आईएमएफ और एफएटीएफ के अंदर जो कुछ भी हुआ है भारत की लॉबी की वजह से है। आगे भी आपके साथ जो मुश्किल वक्त आएगा वो वाशिंगटन डीसी की लॉबी भारत के साथ है वही कराएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में महसूस किए गए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 3.8 रही तीव्रता

अहमदाबाद । तुर्की में भूकंप के जोरदार झटकों के बाद शनिवार को अब से कुछ देर पहले गुजरात के सूरत शहर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के एक अधिकारी ने कहा कि गुजरात के सूरत जिले में शनिवार तड़के 3.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि सूरत के पश्चिम दक्षिण पश्चिम (डब्ल्यूएसडब्ल्यू) से लगभग 27 किलोमीटर की दूरी पर इसके उपरिकेंद्र के साथ 12:52 बजे भूकंप दर्ज किया गया था। जिला आपदा प्रबंधन के एक अधिकारी ने कहा भूकंप 5.2 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया और केंद्र जिले में हजीरा से दूर अरब सागर में था। झटके से संपत्ति या जीवन को कोई नुकसान नहीं हुआ। गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, राज्य में भूकंप का एक उच्च जोखिम है और इसने 1819, 1845, 1847, 1848, 1864, 1903, 1938, 1956 और 2001 में बड़ी घटनाएं देखी हैं। 2001 कच्छ भूकंप पिछली दो शताब्दियों में भारत में तीसरा सबसे बड़ा और दूसरा सबसे विनाशकारी भूकंप था, जिसमें 13,800 से अधिक लोग मारे गए थे और 1.67 लाख घायल हुए थे।

पीके का नीतिश पर हमला, शराबबंदी लागू करने में विफल साबित हुई सरकार

-बिहार को हो रहा करोड़ों के राजस्व का नुकसान

सीवान। बिहार में शराबबंदी की सफलता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं नीतीश कुमार के करीबी रह चुके चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने शराबबंदी को लेकर नीतिश सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी से बिहार का नुकसान हो रहा है, इस तत्काल हटा देना चाहिए। प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं हर दिन खुले मंच से कहता हूं कि शराबबंदी को हटाया जाना चाहिए। शराबबंदी राज्य के लिए फायदेमंद नहीं है, इससे सिर्फ बिहार का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि जो भी बोलते हैं, कि गांधी जी ने शराबबंदी की बात कही है, मैं इस बात को खारिज करता हूं। महात्मा गांधी कभी भी शराबबंदी के पक्षधर नहीं रहे हैं और जो ये कह रहे हैं। उन्होंने गांधी को नहीं पढ़ा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई उदाहरण नहीं है, जहां पर किसी देश ने या किसी प्रदेश ने शराबबंदी के द्वारा अपना सामाजिक या राजनीति का उत्थान किया हो। वहीं पीके ने चुनौती देकर कहा कि जो भी यह दावा करते हैं कि गांधी जी ने शराबबंदी की बात कही है। वह मुझे लाकर दिखा दे कि गांधी जी ने यह कहां कहा है कि सरकार को शराबबंदी लागू करना चाहिए। पीके ने कहा कि गांधी जी ने ये जरूर कहा है कि शराब पीना अच्छी बात नहीं है और इसको रोकने के लिए प्रयत्न किया जाना चाहिए।

एक सदी पहले भी नेपाल से अयोध्या आई थी देवशिला

-नेपाल की राजकुमारी ने नेपाली मंदिर बनवाया था

अयोध्या। नेपाल और भारत के बीच सदियों से रोटी-बेटी का रिश्ता रहा है, यह सब जानते हैं, पर कहा जा सकता है, कि दोनों देशों के बीच सदियों से आस्था का रिश्ता भी बना रहा है। पिछले दिनों माता जानकी की जन्मभूमि से दो विशालकाय देव शिलाएं राम जन्मभूमि यानी अयोध्या के कारसेवक पुरम में लाई गईं, तब इतिहास के पन्नों से आस्था के पुराने रिश्ते की याद ताजा फिर हो गई। जी हां, आपको जानकर सुखद आश्चर्य हो कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ कि नेपाल से कोई देवशिला अयोध्या पहुंची हो, एक सदी से भी पुराना किस्सा आपको जानना चाहिए। यह कहानी 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत की है। नेपाल की गंडकी नदी से शालिग्राम अयोध्या आए थे। इसकी गवाही राम नगरी में स्थित प्राचीन कुंभ नारायण मंदिर (नेपाली मंदिर) में विराजमान भगवान शालिग्राम खुद देते हैं। इस मंदिर की स्थापना 1900 में नेपाल के राज परिवार से जुड़ी रानी राजकुमारी देवी ने कराई थी। कुंभ नारायण मंदिर के निर्वाहन स्वामी हरी प्रपन्नाचार्य बताते हैं नेपाल की राजकुमारी देवी के सपने में भगवान आए। तब उन्होंने अयोध्या में 1890 के दौरान जमीन ली और सन 1900 में नेपाली मंदिर बनवाया। तब नेपाल की गंडकी नदी से मिले शालिग्राम भगवान की यहां प्राण प्रतिष्ठा करवाई गई थी। प्रपन्नाचार्य ने बताया इस मंदिर में प्रात:6 बजे गाय के दूध से रोज भगवान का अभिषेक होता है। बाकी विग्रह का महीने में एक बार अभिषेक होता है। मंदिर में लगभग 125 साल से शालिग्राम विराजमान हैं। यह भी बताया कि नेपाल की राजकुमारी द्वारा मंदिर की स्थापना करवाए जाने के कारण नेपाल से हमेशा मंदिर को सहयोग मिलता रहा है और आज भी नेपाल सरकार इसमें सहयोग देती है।

अलकायदा का संदिग्ध आतंकवादी गिरफ्तार

-आरोपी आरिफ बैंगलुरु में सॉफ्टवेयर कंपनी में करता है काम

बैंगलुरु । केंद्रीय जांच एजेंसी और आंतरिक सुरक्षा प्रभाग (आईएसडी) के एक संयुक्त अभियान में अलकायदा का एक संदिग्ध आतंकवादी को शनिवार को बेंगलुरु के थानिसंद्रा से गिरफ्तार किया गया है। मीडिया को पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान आरिफ के रूप में हुई है, वह आतंकी संगठन के निर्देश पर काम कर रहा था। पुलिस को शक था कि आरिफ के दो साल से अल कायदा से संबंध हैं और उसने अपने घर से अभियान चलाया। आरोपी बैंगलुरु में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करता है और उसने घर से काम करने का विकल्प लिया था। वह सोशल मीडिया के माध्यम से आतंकवादी संगठन के संपर्क में आया। सूत्रों ने कहा कि आरोपी टेलीग्राम और डार्कनेट पर सक्रिय था और आतंकी संगठन के संदेश फैला रहा था। अधिकारियों ने कहा कि वह मार्च में इराक के रास्ते सीरिया पहुंचने की तैयारी कर रहा था। सीरिया नहीं जा पाने पर वह अफगानिस्तान पहुंचने की भी योजना बना रहा था। अधिकारी किसी अज्ञात स्थान पर उससे पूछताछ कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में मिला लिथियम व सोने का विशाल खजाना

-बहुउपयोगी धातु है लिथियम, ईवी रिचार्जेबल बैटरी के निर्माण में आती है काम

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में लिथियम व सोने का विशाल खजाना मिला है। लिथियम बहुउपयोगी धातु है और ईवी रिचार्जेबल बैटरी के निर्माण में काम आती है। भारत माता के मुकुट जम्मू-कश्मीर को प्रकृति ने खूब संपदा दी है। केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि रियासी जिले के सलाल-हैमाना क्षेत्र में करीब 59 लाख टन लिथियम का भंडार और सोने के 5 ब्लॉक मिले हैं। दरअसल, लिथियम एक अलौह धातु है और ईवी रिचार्जेबल बैटरी के निर्माण में काम आती है। केवल ईवी बैटरी ही नहीं, बल्कि विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे लैपटॉप, स्मार्टफोन, कैमरा और कई अन्य चीजों में भी बैटरी के लिए लिथियम का ही उपयोग किया जाता है। देश-दुनिया में जिस तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों और इलेक्ट्रिक उपकरणों की मांग बढ़ रही है, उसे देखते हुए लिथियम बहुत उपयोगी धातु है। लिथियम को एक रेयर अर्थ एलिमेंट माना जाता है और यह दुनिया के कुछ ही देशों में उपलब्ध है। अभी भारत लिथियम के लिए पूरी तरह दूसरे देशों पर निर्भर है। भारत साल 2020 में लिथियम आयात करने के मामले में दुनिया में चौथे नंबर पर था। आंकड़ों के अनुसार भारत लिथियम-ऑयन बैटरियों का लगभग 80 प्रतिशत चीन से आयात करता है। वहीं लिथियम व सोने के भंडार के मिलने के बाद रियासी जिले के स्थानीय लोगों ने खुशी जताई है, क्योंकि इससे घाटी में बेरोजगारी की समस्या का समाधान होगा। रियासी जिले के अधिकारी और जम्मू-कश्मीर खनन विभाग के सचिव ने इस भंडार के मिलने पर खुशी जताते हुए मीडिया से कहा कि यह भारत के लिए गेम चेंजर साबित होगा। 62वीं सेंट्रल जियोलॉजिकल प्रोग्रामिंग बोर्ड यानी सीजीपीबी की बैठक के दौरान खान मंत्रालय को जो रिपोर्ट सौंपी गई है, उसमें बताया गया है कि देश के विभिन्न भागों में मिले 51 खनिज ब्लॉकों में से 5 ब्लॉक सोने से संबंधित हैं और अन्य ब्लॉक पोटाश, मोलिब्डेनम, बेस मेटल आदि वस्तुओं से संबंधित हैं। यह सभी खनिज ब्लॉक जम्मू-कश्मीर, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु और तेलंगाना में मिले हैं।

बाबा विश्वनाथ के किए दर्शन के बाद बोले अखिलेश, कहा एक अडाणी सब पर भारी, भाजपा निभा रही दोस्ती

वाराणसी (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव काशी प्रवास के दूसरे दिन श्रीकाशी विश्वनाथ धाम पहुंचे और बाबा का विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। इसके साथ ही विश्वनाथ धाम का भ्रमण किया। बाद में मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने बाताया कि आम जनता का जीवन और बेहतर हो इसके लिए बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना की। भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि एक अदाणी सब पर भारी है।

भाजपा दोस्ती निभाने में जुटी हुई है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट पर उन्होंने कहा कि बाबा से यही मेरी प्रार्थना है कि भाजपा वालों की बात झूठी न निकले। यदि उन्होंने 27 लाख करोड़ इन्वेस्टमेंट की बात कही है, तो उनकी मनोकामना पूरी हो। काशी में भी पांच लाख करोड़ का इन्वेस्टमेंट हो। अखिलेश ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि गंगा से किया गया वादा सरकार अब तक पूरा नहीं कर सकी है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा बताए कि मां गंगा कितनी साफ हैं। गंगा में बैक्टीरिया काउंट कितना है, सीओडी कितना है। कुछ दिन पहले ही खबर आई थी कि यमुना में मछलियां मर गईं। उन्होंने कहा, मैं बता दूं पानी पहले मरता है, तब मछलियां मरती हैं। बेरोजगारी व महंगाई चरम सीमा पर है। न्याय की कोई उम्मीद नहीं, बिजली महंगी होती जा रही है। वहीं किसानों की आय अब तक दोगुनी नहीं हो सकी है। अखिलेश ने कहा सपा के कार्यकाल में ही श्रीकाशी विश्वनाथ धाम विस्तारीकरण व सुंदरीकरण की नींव रखी गई थी। निर्माण की मंजूरी भी सपा कैबिनेट ने ही दी थी। विश्वनाथ धाम में अंडरग्राउंड बिजली की योजना सपा की देन है। भाजपा श्रेय ले रही है। ज्ञानवापी मुद्दे पर कहा कि गंगा-जमुनी तहजीब बरकरार है। सभी एक साथ हैं। बोले, भाजपा अपने सबसे बड़े नेता व पूर्व पीएम अटल बिहारी बाजपेयी के गांव में जीरो बजट है। उनके नाम पर जो विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी गई है। वह राम मनोहर लोहिया संस्थान के नौवें फ्लोर पर चल रहा है।

पूर्व सीएम का काफिला सारनाथ से भरलाई के लिए जैसे ही निकला एक सपा कार्यकर्ता फूल लेकर दौड़ते हुए उनकी कार के पास पहुंच गया। अचकचाए चालक ने ब्रेक लगा दिया। पीछे चल रहा वाहन आ टकराया।

इससे पिछले हिस्से का बंफर टूट गया। कुछ देर तक अफरातफरी रही। सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाल लिया। दो मिनट काफिला रुकने के बाद रवाना हुआ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव काशी प्रवास के दूसरे दिन सुबह से दोपहर बाद तक लगभग आठ घंटे कार्यकर्ताओं के बीच रहे।

कश्मीर में आतंकवाद, पूर्वोत्तर में उग्रवाद व नक्सलवाद को नियंत्रित करने में सफल रही एनडीए सरकार: अमित शाह

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, पूर्वोत्तर में उग्रवाद और वामपंथी नक्सलवाद को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफल रही है। यह बात केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 74वें बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों की दीक्षांत परेड को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की एजेंसियों के नेतृत्व में पूरे देश में पुलिस बलों ने 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) जैसे संगठन के खिलाफ एक ही दिन में एक सफल अभियान संचालित किया।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि हाल में 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' पर प्रतिबंध लगाकर हमने दुनिया के सामने एक सफल उदाहरण पेश किया है। शाह ने कहा कि इससे पता चलता है कि लोकतंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता कितनी मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति, आतंकवाद विरोधी कानूनों के लिए मजबूत ढांचे, एजेंसियों को मजबूत किए जाने और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण आतंकवाद संबंधी घटनाओं में कमी आई है। पिछले सात दशकों के दौरान देश ने आंतरिक सुरक्षा में कई उतार-चढ़ाव और कई चुनौतीपूर्ण समय देखे हैं। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण समय में 36 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। दीक्षांत परेड में 166 आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी प्रशिक्षुओं और विदेशों से 29 अधिकारी प्रशिक्षुओं सहित कुल 195 अधिकारी प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

पाकिस्तान से बात हो, इसके लिए अनकूल मौहाल बनने की जिम्मेदारी भी पाकिस्तान की : भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की भारत को बातचीत की पेशकश पर मोदी सरकार ने अपना रुख जाहिर किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा भारत-पाकिस्तान के साथ शांतिपूर्ण संबंध चाहता है। विदेश मंत्रालय ने भारत के रुख को दोहराया कि बातचीत और सीमा पार आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। पाक के साथ वार्ता पर मोदी सरकार की प्रतिक्रिया संसद में लिखित उत्तर के रूप में आई। केंद्रीय मंत्री मुरलीधरन ने कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंधों की इच्छा रखता है। भारत का हमेशा इस पर फोकस रहा है कि यदि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई भी मुद्दा है, तब इस आतंकवाद और हिंसा से मुक्त माहौल में द्विपक्षीय और शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए।

मोदी सरकार ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच यदि कोई मसला है, तब उसका हल आतंकवाद एवं हिंसा से मुक्त माहौल में द्विपक्षीय तरीके से निकाला जाना चाहिए। मोदी सरकार ने सदन में दो टूक कहा कि इस तरह का अनुकूल माहौल बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। मुरलीधरन ने कहा कि भारत की इच्छा पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी के संबंध रखने की है और इस मुद्दे पर भारत का सतत रुख है, कि यदि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई मुद्दा है, तब उसका समाधान द्विपक्षीय एवं शांतिपूर्ण तरीके से एक इसतरह के माहौल में निकाला जाना चाहिए जो आतंकवाद एवं हिंसा से मुक्त हो। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान की जिम्मेदारी है कि वह अपने कब्जे वाले किसी भी क्षेत्र का इस्तेमाल भारत के खिलाफ सीमापार आतंकवाद के लिए नहीं होने दे और प्रामाणिक एवं सत्यापन योग्य कार्रवाई करके ऐसा अनुकूल माहौल बनाए।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह के व्यक्तित्व पर चार महापुरुषों की छाप दिखाई देती :सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी ने चल रहे ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 से पहले आयोजित रोड शो के माध्यम से 32.92 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को आकर्षित किया, जिसमें विभिन्न कंपनियों के साथ 18,000 से अधिक समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। ये संभावित रूप से, ये राज्य में 92.50 लाख रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तरप्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप और सुधार, प्रदर्शन, परिवर्तन के पीएम के मंत्र को आत्मसात करके देश के विकास इंजन की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस दौरान सीएम योगी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सराहना करते हुए कहा कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री के व्यक्तित्व पर चार महापुरुषों-आदिगुरु शंकराचार्य, आचार्य चाणक्य, वीर सावरकर तथा प्रधानमंत्री मोदी जी की छाप स्पष्ट रूप से दिखती है। योगी ने कहा, शाह जी के व्यक्तित्व पर भारत की प्राचीन ऋषि परम्परा के उद्घोषक आदिगुरु शंकराचार्य की साधना शक्ति, आचार्य चाणक्य का कुशल संगठनकर्ता का गुण, वीर सावरकर की राष्ट्रभक्ति का तेज तथा अन्त्योदय से अमृत काल की विकास यात्रा के विजन के प्रणेता एवं दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन के गुण का समन्वय दृष्टिगोचर होता है।

कंगाल हो रहा पाक अब जनता पर लादेगा 170 अरब का टैक्स, 150 दवाओं के बढ़ाएगा दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने कंगाली के बीच अब रोजाना देशवासियों पर ही नया जुर्म ढाना शुरू कर दिया है। भयानक नकदी संकट से जूझ रहे पड़ोसी मुल्क पहले से ही आसमान छूती महंगाई, बिजली-पानी, एलपीजी गैस, पेट्रोल, खाद्यान्न और दवा के संकट से हलकान है। अब पाकिस्तानियों पर सरकार ने अब नया बोझ डालने की तैयारी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शहबाज शरीफ कैबिनेट की आर्थिक समन्वय समिति जल्द ही 150 दवाओं की कीमतों में वृद्धि को मंजूरी देने की तैयारी कर ली है। एक दिन पहले ही वित्त मंत्री इशाक डार ने चार महीने के अंदर पाकिस्तानियों से 170 अरब रुपये टैक्स वसूली करने का ऐलान किया है।

वित्त मंत्री इशाक डार ने नए टैक्स का ऐलान आईएमएफ द्वारा लोन की किस्तें जारी करने पर कोई फैसला नहीं लिए जाने और आईएमएफ की टीम के लौटने के फौरन बाद किया। इससे पहले 10 दिनों तक आईएमएफ की टीम प्रधानमंत्री शरीफ के अनुरोध पर बेलआउट पैकेज देने के लिए आर्थिक मसौदे पर पाकिस्तानी पक्ष से बातचीत कर रही थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की सभी सिफारिशें मानने को बाध्य पाकिस्तान सरकार ने बिजली दरों को भी बढ़ाने का फैसला किया है। पिछले महीने पाकिस्तान में बिजली की दरों में इजाफा किया जा चुका है। पाकिस्तान 2019 में इमरान खान सरकार के दौरान आईएमएफ के 6 अरब डॉलर कार्यक्रम का हिस्सा बना था, जिसे पिछले साल बढ़ाकर 7 अरब डॉलर कर दिया गया था। कार्यक्रम की नौवीं समीक्षा 1.18 अरब डॉलर जारी करने के लिए आईएमएफ अधिकारियों और पाकिस्तान सरकार के बीच चल रही थी, जो फेल हो गई है।

महिलाएं देश में किसी भी जिम्मेदारी को उठाने में सक्षम: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, चाहे वह राजनीति, अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी, खेल, साहित्य और संगीत हो। यहां अपने पूर्व शिक्षण संस्थान, रमा देवी महिला विश्वविद्यालय (आरडीडब्ल्यूयू) के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि वे समाज के साथ-साथ पूरे देश में किसी भी जिम्मेदारी को उठाने में सक्षम हैं।

राष्ट्रपति ने रेखांकित किया, 'सामाजिक असमानता पैदा करने वाला लैंगिक भेदभाव ध्वस्त हो गया है। महिलाओं ने जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, चाहे वह

राजनीति हो, रक्षा, अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी, खेल, साहित्य, संगीत या कला हो। संसद के इतिहास में पहली बार 100 से ज्यादा (महिला) सांसद हैं।' वह अपने गृह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं। मुर्मू आदिवासी बहुल ज़िले मयूरभंज के दूर दराज़ के राइरंगपुर इलाके से ताल्लुक रखती हैं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने कॉलेज में जो सबक सीखे और अनुभव प्राप्त किए, उससे उन्हें एक बेहतर इंसान बनने में मदद मिली। राष्ट्रपति ने भावुक होते हुए कहा, 'मैंने कॉलेज परिसर के ठीक बाहर फेरीवालों द्वारा बेची जाने वाली खाद्य सामग्री से गुज़ारा किया। 25 पैसे में मुट्ठी भर मूंगफली मिलती थी, जो मेरे लिए काफी थी। मैं खुश थी।' उन्होंने कहा कि वह आरडीडब्ल्यूयू की छात्राओं और संकाय सदस्यों के प्यार और स्नेह से अभिभूत हैं।

मुर्मू ने कहा कि उन्हें संस्थान की छात्रा होने पर गर्व है, जहां सभी छात्राओं के साथ समान व्यवहार किया जाता है। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों की चार महिलाओं को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की। बाद में परिसर से बाहर निकलते समय मुर्मू ने देखा कि कुछ लड़कियां उनका अभिवादन करने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रही हैं। वह फौरन अपनी कार से उतरीं और उनसे हाथ मिलाया।

त्रिपुरा में पीएम मोदी अंबासा व गोमती में विजय संकल्प रैली को करेंगे संबोधित

अगरतला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को त्रिपुरा के अंबासा व गोमती में विजय संकल्प रैली को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर त्रिपुरा में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। विगत दिवस गुरुवार को पार्टी की ओर से बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संकल्प पत्र भी जारी किया था। इस मौके पर बीजेपी अध्यक्ष के साथ माणिक साहा भी मौजूद थे। त्रिपुरा में आने वाली 16 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसको लेकर पीएम मोदी की यह रैली काफी अहम मानी जा रही है। बीजेपी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस रैली को लेकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। बीजेपी के संकल्प पत्र में पांच रुपए की खाने की थाली का जिक्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को त्रिपुरा के महाराजा बीर बिक्रम एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे, जहां सीएम माणिक साहा के साथ ही पार्टी के अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य और बीजेपी के नेता उनकी अगुवानी करेंगे। पीएम मोदी यहां पर दो रैलियां करेंगे। पहली रैली धलाई जिले के अंबासा में दोपहर 12 बजे से होगी।

बीजेपी प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित दौसा दौरे पर राजनीति कर रही है : गहलोत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रविवार को दौसा की प्रस्तावित यात्रा का राजनीतिकरण कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 12 फरवरी को दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के सोहना-दौसा मार्ग का उद्घाटन करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। यह कार्यक्रम का आयोजन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) कर रहा है। भाजपा इस स्थल के नजदीक एक जनसभा कर रही है, जिसे प्रधानमंत्री संबोधित करेंगे।

गहलोत ने संवाददाताओं से कहा, 'मैंने सुना है कि यह एक बड़ा कार्यक्रम था, हम एक मंच पर आ सकते थे। वे (भाजपा) जानते थे कि मैं पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना(ईआरसीपी)का मुद्दा उठाऊंगा... मैं समझता हूं कि इससे बचने के लिए पीएमओ और इसमें शामिल अन्य लोग, राज्य के नेता..जो केंद्रीय मंत्री हैं..(प्रधानमंत्री से) कहते कि आपने एक स्थान (दौसा) चुना है जो ईआरसीपी के अंतर्गत आता है इसलिए इसे बदल दें।'

उन्होंने दावा किया कि आधिकारिक समारोह में 100-200 लोग ही मौजूद रहेंगे और भाजपा की ओर से अलग से जनसभा की जाएगी। उन्होंने कहा यह अब नया तरीका खोजा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री और अन्य कांग्रेस नेता बार-बार केंद्र से पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने की मांग कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य पूर्वी राजस्थान के दौसा सहित 13 जिलों की पेयजल और सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करना है। इस परियोजना की परिकल्पना तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली पूर्व भाजपा सरकार ने की थी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री ने 2018 और 2019 में चुनावी रैलियों में ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का वादा किया था।

विवादों के बाद यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में नहीं दिखाई दिए कारोबारी गौतम अडानी

-देश के सभी दिग्गज कारोबारी समूह की रही मौजूदगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 का शनिवार को दूसरा दिन है। रविवार को समिट का अंतिम दिन होगा। समिट के समापन समारोह में राष्ट्रपति भी मौजूद रहेंगी। समिट में तमाम दिग्गज नेता और उद्योगपति हिस्सा ले रहे हैं। शुभारंभ के इस मौके पर पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीएम योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल समेत कई नेता मौजूद रहे। ना सिर्फ नेता बल्कि इस दौरान देश ही नहीं विदेशों से भी बड़े बड़े बिजनेस मैन भी नजर आए। समिट से यूपी में लाखों करोड़ रूपए का निवेश आया है, लेकिन उद्योगपति गौतम अडानी का समिट में नहीं आना कुछ लोगों को काफी खटक रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के शुभारंभ के मौके पर अडानी गायब रहे, तब दूसरे दिन भी कहीं नजर नहीं आए जबकि यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 में रिलायंस कंपनी के मालिक मुकेश अंबानी सहित देश और दुनिया के तमाम बड़े बिजनेसमैनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

खबरों की मानें तब यूपी सरकार ने अडानी को न्यौता भेजा था, लेकिन उनके ग्रुप ने आने को लेकर कोई सहमति नहीं दी। इससे पहले साल 2018 में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट में गौतम अडानी नजर आए थे। लेकिन जब से हिंडनबर्ग रिपोर्ट सामने आई है, तब से गौतम अडानी सार्वजनिक रूप से कही भी नजर नहीं आ रहे हैं। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, बजाज फिनसर्व के चेयरमैन संजीव बजाज, आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला, टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, महिंद्रा और महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा के अलावा देश और विदेश से कई बड़े बिजनेसमैन शामिल होने आए हुए हैं।

अडानी के नहीं आने को हाल ही में उत्तर प्रदेश में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने के मामले में अडानी समूह को करारा झटका मिलने से भी जोड़कर देखा जा रहा है। यूपी के मध्यांचल विद्युत निगम ने स्मार्ट

मीटर लगाने के अडानी के टेंडर को निरस्त कर दिया। इस टेंडर को लेकर उत्तरप्रदेश विद्युत उपभोक्ता परिषद और विद्युत नियामक आयोग (इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन) ने भी आपत्ति जाहिर की थी। उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाया था कि जो स्मार्ट मीटर बाजार में 6000 रुपए का है, उस अडानी समूह 10,000 हजार रुपए में सरकार को दे रहा है। आरोप था कि मीटर के दाम 48 फीसदी सेलेकर 65 फीसदी तक अधिक थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पत्नी के प्रेमी के साथ भाग जाने पर पति किया स्युसाइड, पुलिस पर कार्यवाही ना करने का आरोप

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,शहर के वटवा क्षेत्र में रहनेवाले 40 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। शादी की सालगिरह पर आत्महत्या करने से पहले पांच वीडियो बनाए, जिसमें उसने कहा कि मेरी पत्नी अपने प्रेमी के साथ भाग गई है। इस संदर्भ में पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। इतना ही नहीं पुलिस पर आरोप लगाया कि उसने पांच लाख रूपए भी लिए थे। अहमदाबाद के वटवा क्षेत्र की वल्लभ पार्क सोसायटी निवासी 40 वर्षीय मुकेश कनुभाई प्रियदर्शी की उर्मिला नामक युवती के साथ 18 साल पहले शादी हुई थी। 18 साल के वैवाहिक जीवन में दो बेटों का जन्म हुआ। गुरुवार को मुकेश प्रयदर्शी ने अपने घर में फांसी लगा ली। आत्महत्या से पहले मुकेश ने पांच वीडियो भी बनाए। एक वीडियो में मुकेश ने कहा कि मेरी आत्महत्या के लिए पत्नी उर्मिला और उसका प्रेमी मनीषसिंह राजपूत जिम्मेदार हैं। उर्मिला और मनीष के बीच नाजायज संबंधों से मैं परेशान हो गया था। मनीष मेरी पत्नी उर्मिला को भगा ले गया है और वह नहीं बता रहा कि उसने उर्मिला को कहां रखा है। इस संदर्भ में वटवा पुलिस थाने में रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी। लेकिन मैं नीची जाति का होने की वजह से सुरेश साहब ने पांच लाख रूपए लिए, परंतु कोई कार्यवाही नहीं की। मेरे दो बेटे हैं इसलिए अब तक मैं कुछ नहीं कर पाया। मैं अपनी पत्नी उर्मिला से बहुत प्यार करता हूं, भले ही वह मुझसे प्यार नहीं करती। मुकेश ने अपने वीडियो में कहा कि मैं चाहूं तो मनीष को मार सकता हूं, लेकिन ऐसा मैं करना नहीं चाहता। अपने दो बेटों के लिए मैंने जीने का प्रयास किया। लेकिन पत्नी उर्मिला के दूर रहने की वेदना मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता। लोग भले ही कुछ भी कहें, लेकिन मैं पत्नी के बगैर जी नहीं सकता और उसके बगैर मेरा जीवन बेकार है। उर्मिला और मनीष के नाजायज संबंधों के कारण आज मैं अपनी जान दे रहा हूं। मुकेश प्रियदर्शी ने अपनी शादी की सालगिरह पर ही आत्महत्या की और उससे पहले बनाए पांच वीडियो में पत्नी के साथ बिताया समय, बेटों की चिंता और परिवार को संबोधित करते माफी भी मांगी।

इसके अलावा वटवा पुलिस की कार्यवाही पर मुकेश वीडियो में सवाल उठाए। फिलहाल वटवा पुलिस ने दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरूकी है।

सब्जी की आड़ में शराब तस्करी का पर्दाफाश, विदेशी शराब समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत क्राइम ब्रांच ने शहर के जहांगीरपुर क्षेत्र में सब्जी की आड़ में शराब तस्करी का पर्दाफाश करते हुए 3 शख्सों को विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया। टेम्पो से बरामद विदेशी शराब ओलपाड के एक फार्म हाउस से लादी गई थी। पुलिस ने विदेशी शराब समेत 7.80 लाख से अधिक का माल सामान जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की। जानकारी के मुताबिक सूरत क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि एक टेम्पो में सब्जी कैरेट की आड में विदेशी शराब लाई जा रही है। सूचना के आधार पर सूरत क्राइम ब्रांच ने शहर के जहांगीरपुरा-रांदेर रोड स्थित राजग्रीन हाईट्स के सामने से गुजर रहे टेम्पो को पकड़ लिया। टेम्पो की तलाशी में सब्जी के कैरेट की आड में रु 2.74 लाख कीमत की विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने टेम्पो के ड्राइवर आसिफ नादर शाह और क्लीनर किशोर उर्फ मोहन परमार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि पकड़ी गई शराब वेड रोड के हार्दिक उर्फ चेतन रमेश परमार ने भेजी थी और इसे ओलपाड के एक फार्महाउस से लादा गया था। विदेशी शराब डभोली के प्रमोद उर्फ बालु नामक शख्स ने मंगवाई थी। इस खुलासे के बाद क्राइम ब्रांच ने वांटेत तीन में से एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने विदेशी शराब और एक टेम्पो समेत रु 7.80 लाख का माल सामान जब्त कर कानूनी कार्यवाही शुरू की।

सूरत के बाद कच्छ में महसूस किए गए भूकंप के झटके

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के बाद कच्छ जिले में भी भूकंप के झटके लगे हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई है। इस भूकंप का केंद्र कच्छ से करीब 25 किलोमीटर बताया जा रहा है। इसके पहले देर रात सूरत में 3.8 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान के अधिकारी ने बताया था कि भूकंप की तीव्रता 3.8 मैग्नीट्यूट दर्ज की गई थी। इसका केंद्र जमीन के अंदर 5.2 किलोमीटर गहराई में दर्ज किया गया था। इसका केंद्र अरब सागर में था। भूकंप से किसी तरह की प्रॉपर्टी या फिर जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है।

गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, राज्य में भूकंप का खतरा बहुत ज्यादा है. लिहाजा गुजरात हाई रिस्क जोन में हैं। यहां साल 1819, 1845, 1847, 1848, 1864, 1903, 1938, 1956 और साल 2001 में भूकंप के काफी जबर्दस्त झटके लगे हैं। साल 2001 में गुजरात के कच्छ में आया भूकंप पिछली दो शताब्दियों में भारत में तीसरा सबसे बड़ा और दूसरा सबसे विनाशकारी भूकंप था, जिसमें 13,800 से अधिक लोग मारे गए थे और 1.67 लाख घायल हुए थे।

ब्याजखोर के आतंक से परेशान शिक्षक का आत्महत्य का प्रयास, जांच में जुटी पुलिस

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा, ब्याजखोरों के खिलाफ राज्यभर में जारी अभियान के बीच बनासकांठा में ब्याजखोर के आतंक से परेशान एक शिक्षक ने आत्महत्या का प्रयास किया। घटना सामने आने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। बनासकांठा जिले की कांकरेज तहसील के आकोली गांव निवासी और पेशे से शिक्षक दलसुखजी ठाकोर ने खेत खरीदने के लिए 10 प्रतिशत ब्याज पर रु 17.50 लाख लिए थे। 17.50 रूपए के बदले में रु 35 लाख से भी अधिक रकम दलसुखजी ठाकोर ने ब्याजखोर को दे दिया था। इसके बावजूद ब्याजखोर उनकी पीछा नहीं छोड़ रहा था और रूपए की लगातार मांग कर रहा था। जिससे परेशान होकर दलसुखजी ठाकोर ने आत्महत्या का प्रयास किया। घटना सामने आने के बाद पुलिस ने ब्याजखोर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरूकी है। गौरतलब है कि गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के आदेश पर गुजरातभर में पुलिस विशेष अभियान चला रही है। इसके अंतर्गत राज्य के विभिन्न शहरों में जनता दरबार का आयोजन किया गया था। जिसमें पुलिस आयुक्त ने ब्याजखोरों पर शिकंजा कसने और लोगों की मदद करने का आह्वान किया था।